सात कलीसिया कालों और सात मोहरों के बीच की दूरी

शुभ संध्या, मित्रों यह एक महान सौभाग्य है कि यहां प्रभु के भवन में आज रात्रि सेवा में वापस आना और इस प्रात: के मन्ना से अब तक जीवित है कि हमारे प्राण उसकी महान उपस्थिति के द्वारा बहुत ही आशीषित हुये। और अब आज रात्रि, हमारे पास एक... विषय आरंभ कर रहे है: *सात कलीसियायी कालों और सात मोहरों के बीच की दूरी*।

2 और इस दोपहर बाद में एक मित्र से बातें कर रहा था, और संभव है कि प्रभु की इच्छा हुयी किसी समय इस गर्मियों में, यदि वह मुझे घर नही ले जाता या—या मुझे वापस आना पडे, मै विदेश नही जाता हूँ या कुछ, तो मै फिर से अन्तिम सात तुरहियों को आरम्भ करना चाहूँगा, देखा। और यह सब एक दूसरे से जुडे हुये है। और—और फिर इसमें अन्तिम सात विपतियाँ है। यह सब आपस में मिले हुये है, जैसे हम आगे बढते है, हम इन्हे देखेगें।

3 इसलिये आज रात्रि हम एक प्रकार से शान्त हो गये है... हो सकता है मैं आज रात्रि थोडा लम्बा लू। सन्तुलन के साथ... जैसे ही मै यहां वापस आता हूं, अब... सारे प्रचार जो मैने फिनिक्स में किये, एक बार भी मेरा गला नही खरखराया, देखिये यह ठीक बात है। और ओह, मैने कितनी जोरो से प्रचार किया! और क्योंकि मै विश्वास करता हूं कि ये सत्ताईस सभाये थी, बिना खरखराहट के, परन्तु यहां यह मौसम है आप देखिये, वरन सादगी में ये यहां खराब है, बस एक घाटी, ये यहां पीछे खराब स्थिति थी और स्वास्थ की, और आप जानते है कि मेरा क्या अर्थ है, यह—यह खराब है, और किसी भी प्रचारक के पास एक... जो बोलता है आरम्भ से ही उसका गला खराब होता है।

4 मेरे एक—एक डाक्टर मित्र ने मेरे गले में एक बार देखा, देखने के लिये कि क्या खराबी थी, बोला, "कुछ नही है, बोला तुम्हारे स्वर तंत्र में कठोरता आ गयी है।" कहा, "यह प्रचार से है।" अच्छा, मैं—मैं—मैं इसी प्रकार का हूं; आप जानते है, इससे मुझे थोडा अच्छा लगता है, जब तक

यह प्रचार पर लागू होता है; आप देखिये, परमेश्वर के राज्य के लिये यह ठीक रहेगा।

5 अब, हो सकता है कि हम इस योग्य नही कि ये... यीशु मसीह के दागों को हम अपनी देह पर ले, जैसा कि पौलूस ने किया, पीटे जाने से परन्तु हम अपने निशान प्रचार से ले और अपनी आवाज को उन बातों के विरोध में जो गलत है, दे। इसलिये हम धन्यवादित है, कि, हमे और नही पिटना है विशेषकर इस समय। इसलिये हम—हम...

6 कितने यहां है जिन्होने "*श्रीमानों क्या यह समय है?* " पढा है या इसे सुना है आप जानते है, *श्रीमानों क्या यह समय है?* इसने मुझे थोडा परेशान किया, यदि आपने नही, मेरी इच्छा है कि किसी तरह यदि यह आपको सुनने को मिले या किसी प्रकार। एक तरह से मुझे परेशान किया, सभा को आरम्भ करने से पहले मै इसे छोड देना चाहता हूं, लगभग एक सप्ताह या दस दिन पहले, मैं बहुत ही व्याकुल था। मै बस... मैं—मैं—मैं नहीं था, मैं सभायें नही लूँगा या कुछ भी, क्योंकि मुझे नही मालूम। यह कुछ ऐसा प्रतीत हुआ यह कुछ ऐसा है जो खराब था, और मुझे नही मालूम कि यह क्या था। इसलिये मैं...

7 एक दिन जल्द सुबह उठा, कि सबीनों केनयान जाऊँ, जो कि घर से केवल लगभग 35 मिनट की कार यात्रा पर है... या चालीस की, सबीनो केनयान के ऊपर पहुँचा, तब वहां से एक सडक तीस मील पहाड में जाती है।

8 वहां एक अनजानी सी जगह, मैं यहां रेगिस्तान में हो सकता हूं, जहां यह अस्सी और नब्बे, ठीक अब और तीस मिनटो में आठ फुट की बर्फ में, देखिये पहाड कि चोटी पर। अभी हाल ही में हम फिनिक्स में थे, जहां यह 20 कुछ 28 डिग्री था। उनके गर्म होने वाले तरणताल थे और लोग तैर रहे थे और वहां से लगभग 35 मिनट की कार यात्रा से यह शुन्य से 40 नीचे, फलेगस्टाफ पर। देखा? यह भिन्नता है ऊपर के बहाव और रेगिस्तान और दमा आदि वालो के लिये बहुत ही स्वास्थ वर्धक।

9 परन्तु अब मैं उस दर्रे में ऊपर चला गया और मैं वहां तक चढता गया, जहां तक मैं जा सकता था। और मैंने—मैंने—मैंने प्रभु से पूछा, जब कि वहां बैठा हुआ था, इस सब का क्या अर्थ है और इस प्रकार से, मैं एक प्रकार से परेशान था और मैं नही जानता कि क्या करूँ।

10 और इस प्रकार से जब मैं प्रार्थना कर रहा था एक विचित्र सी चीज हुयी। मैं—मैं—मैं ईमानदार रहना चाहता हूं, अब मैं सो तो नही सकता था, यह एक मूर्छा के समान हो सकता है या यह एक दर्शन हो सकता था। मेरा जहां तक समझना है विश्वास करता हूं कि यह एक दर्शन था। कि मेरे हाथ उठे हुये थे, कह रहा था प्रभु उस धमाके का क्या अर्थ है? और यह सात स्वर्गदूतों का झुण्ड पिरामिड में मुझे भूमी पर से उठा लिया और पूर्व की ओर घुमाया, इसका क्या अर्थ है?

11 मै वहां प्रार्थना में खडा हुआ था और कुछ घटित हुआ। और अब मेरे साथ में कुछ आ गया। और मैं जानता हूं, यदि आप आत्मिक बातों को नही समझते यह बहुत ही अजीब सा प्रतीत होता है। परन्तु मेरे हाथ में कुछ आ गया। और जब मैने देखा तो यह एक तलवार थी। और मूठ मोतियों से बनी थी सुन्दरतम मोती, जो मैने कभी देखे। और वह मूठ रक्षक आप जानते है, जहां... मेरा अनुमान है, यह आपके हाथों को कटने से बचाता है, आप जानते है जब कि लोग... द्वन्द कर रहे थे; सोने का था। तलवार की फाल अधिक लम्बी नही थी परन्तु यह उस्तरे जैसी तेज थी; और चांदी की चमक थी और बहुत सुन्दर चीज जो मैने कभी देखी, यह मेरे हाथ में थी बिल्कुल ठीक आ रही थी। और मैं इस पकडे हुये था। मैने कहा, "क्या ये सुन्दर नहीं!" मैने इसे देखा और सोचा, "परन्तु आप जानते है, मै हमेशा से तलवार से डरता हूं।" मैं एक प्रकार से आनन्दित हूं कि मैं उन दिनों मे नही रहा, जिनमें वे इसका प्रयोग करते थे, क्योंकि मै चाकू से डरता हूं। और इसलिये मैंने—मैंने सोचा, "मै इसका क्या करुंगा? "

12 और जब की मै इसे अपने हाथ में पकडे हुये था एक आवाज ने कहीं से कहा, "यह राजा की तलवार है।" और फिर यह मेरे पास से चली गयी।

13 अच्छा, मुझे—मुझे आश्चर्य हुआ कि इसका क्या अर्थ है, "'यह एक विशेष राजा की तलवार है।'" और मैंने सोचा, "यदि यह कहा गया होता, 'एक राजा की तलवार', यह हो सकता था, कि, मै इसे समझ जाता। परन्तु इसने कहा, '*एक* विशेष राजा की तलवार।'" इसलिये हो सकता था कि मैं सही नहीं हूँ, परन्तु मैंने सोचा, "वह तो केवल एक ही है एक विशेष राजा वह परमेश्वर है। और उसकी *यह* तलवार है, 'दोधारी तलवार से भी अधिक तेज,' देखिये। 'और तुम मुझ में बने रहो और मेरे वचन... '" समझे? और मैंने—मैंने सोचा...

14 द्वन्द में, आप देखिये और जैसा मैं समझता... मैं, इसका एक शब्द भी नही समझता, बल्की याने द्वन्द का एक भी सिद्धांत, परन्तु मेरी अच्छी समझ से फाल आमने–सामने एक दूसरे की ओर। और फिर अन्त में तलवारे यदि वे एक दूसरे में अड गयी तो शत्रू और आप तलवारे अडा देते है *इस* प्रकार से, तब यह मनुष्य जो द्वन्द में है उनकी शक्ती पर होता है। क्योंकि देखिये, उसकी तलवार मेरी ओर मेरे ह्रदय पर और मेरी उसके ऊपर, परन्तु वह अडी हुयी है जैसे कि हमारे चाकू एक दूसरे पर वार करते है। और फिर वे वार करते है, और तब तलवारे एक साथ आती है। और वह जो दूसरे को धक्का देकर नीचे गिरा दे, तो तलवार सीधी ह्रदय पर होती है। इसे लेता है, वहां...

15 यद्यपि तलवार वचन हो, तो वहां इसे विश्वास के मजबूत हाथों को पकड के लिये होती है, कि इसे शत्रू के ह्दय पर ले आये। अब इन बातों को नही जानते हुये। परन्तु जरा... वह सब जो मैंने उससे पाया है, वह मैं बता सकता हूं, मैने आपको बता दिया। ताकि आप जानते है, मैं विश्वास करता हूं यही था... क्या हमारे प्रभु ने नही कहा था वह सब जो उसने पिता से पाया है जो उसने बताया था और कुछ भी ना छिपाया? और—और इसलिये हम उन बातों को करना चाहते है, ठीक जैसी वे आती है। अब यदि आप वास्तव में बुध्दीमान होगें और प्रार्थना करते है तो मैं निश्चित हूं, कि आप बहुत जल्द ही कुछ समझ जायेगें, अब, कुछ जो कि मै आशा करता हूं कि प्रकट हुआ है।

16 अब इस पुस्तक में, आईये हम सब निकाले पुस्तक का पांचवा अध्याय जो कि यीशु मसीह का प्रकाशन कहलाती है।

17 अब कल आने वाली रात्रि में पहली मोहर। जो कि पहली चार मोहरे खुली है चार घुडसवारों के द्वारा, प्रत्येक मोहर पर एक जो पृथ्वी पर प्रहार करती है। और फिर सम्भव है, उन्हे अधिक समय नही लगेगा, जब तक कि हम लगभग निकाल नही देते... सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार के लगभग। तब मैं समझता हूं, छठी पर... और पांचवी, छठी और सातवी मोहर सम्भवत है यह अधिक लम्बी होगी। इसलिये, हो सकता है यह आपको थोडा समय देगी कि थोडा सा विश्राम ले ले।

18 हमारा उद्देश्य सभायें आरम्भ करने का है, मैं विश्वास करता हूं सप्ताह की रात्रियों में सात बजे। और मुझे प्रचार मंच पर ठीक साढे सात बजे

होना है। और फिर हो सकता है कि हम आधी रात तक को बाहर आये। इसलिये—इसलिये, मैने—मैंने आज सुबह एक ऊपर लिया। मेरा यह मतलब नहीं था, मैं तो बस... मैं नही जानता कब।

19 क्योंकि मैं नही जानता कि पहला घुडसवार क्या है, मै नही जानता कि दूसरा, तीसरा, चौथा, पांचवा, छठवा या सातवी मोहर। मैं इस घडी, मै नही जानता। समझे? मैं बस उस पर निर्भर कर रहा हूं, इसलिये मैं इस सप्ताह भर... परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा यत्न करता रहा कि सहायता करे, यह विश्वास करते हुये यदि आप गहराई से समझे...

20 आप जानते है दर्शनों में, आप बातों को प्रकट नहीं कर सकते जब तक आपको प्रकट करने की अनुमति ना मिले। कितनी बार आप सब लोगों ने मुझे कहते सुना, "एक घर में जाये, संभवत है एक टोपी *यहाँ* पर रखी है, वो फलां बालक ऐसा ही तब तक चंगा नही होगा जब तक यह वह *यहां* रखी रहेगी।" मैं उन्हे नही बता सकता ना ही मैं उसे वहां से हटा सकता हूं, इसे हटना ही है किसी भी प्रकार से, किसी और को ही इसे लेकर और इसे हटाना है। और हर चीज क्रम में तब यह प्रकट हो सकता है।

21 इसलिये अब हम प्रार्थना में रहे। अब, इसके पहले कि हम पुस्तक को ले, आईये उस से बात करते है अपने झुके हुये सिरों के साथ।

22 प्रभु यीशु, हम कुल मिलाकर अयोग्य है, हम किसी भी प्रकार से यह यत्न नही करेंगे, कि, इस पवित्र पुस्तक पर पहुंच करे, इस बहुत ही पवित्र घडी में जो प्राण समय के गन्तव्य पर अटके हुये है, प्रभु बगैर आपके पूछे जो कि केवल एक ही है जो इस पुस्तक को प्रकट कर सकता है, कि वह सामने आये हमारे कमजोर कोशिशो को आशीषित करे और तेरे दास की है। जैसे–जैसे यह वचन आगे बढता है इसे अशीषित करे। होने पाये यह आत्मा की सामर्थ में जाये। और होने पाये यह अत्मिक आधार... वे जो भूखे और प्यासे है कि धार्मिकता को जाने और परमेश्वर कि इच्छा को जाने होने पाये यह वहां गिरे और अपने ही प्रकार का उत्पन्न करे। प्रभु इसे प्रदान करे। सारी महिमायें आपकी है। होने पाये भूखे और प्यासे भोजन पाये और आज रात्रि वचन से पीये। यह हम यीशु के नाम में मांगते है, जिसका यह प्रकाशन है। आमीन।

23 अब, हम पांचवा अध्याय निकालने जा रहे है। अब, यह सात माहेरे नही है, यह कलीसियायी कालों और सात मोहरों के बीच की दूरी है। अब, वहां का छठवां अध्याय भी है...

24 और बल्की वहां चौथा अध्याय था, प्रकाशितवाक्य का, और, उसमे एक प्रकार से कुछ प्रकट किया गया जो कि कलीसिया के चले जाने के बाद घटित होगा। यह, कि कलीसिया प्रकाशन के तीसरे अध्याय में ऊपर चली जाती है। और प्रकाशन के 19 वे अध्याय तक वापस नही आती। समझे? इसलिये, कलीसिया संकट कष्टों से चुक जाती है। मैं जानता हूं कि यह लगभग हर शिक्षक के विरोध में है, जिनसे मैंने कभी बातें की। परन्तु मेरे—मेरे मेरा अर्थ असहमत होने से नही है। पर मेरा—मेरा अर्थ आपका भाई होने से, परन्तु मुझे—मुझे वही सिखाना है जैसा कि मैं यह देख सकता हूं, यदि नही तो मैं इसे एक साथ नही रख सकता, आप देखिये। और अब, चाहे ये मुसीबतों से पहले या मुसीबतों के बाद में जाये, मैं इसके साथ जाना चाहता हूं। यह विशेष बात है।

25 इसलिये, उन बातों को हम—हम बस मान लेते है क्योंकि बिना शिक्षा के, मै प्रतीक, मै देखता और यह दिखाता हूं, क्या है या पुराने नियम में क्या रहा जो कि एक प्रतीक था, एक नये नियम कि एक छाया है तब मेरे पास कुछ विचार आता है कि नये में क्या है। समझे? जैसा कि यदि नूह मुसीबतों से पहले वह नाव में चला गया था, एक प्रतीक; परन्तु इसके पहले नूह, देखिये, नाव में जाता हनोक ऊपर चला गया, देखिये, इसके पहले कि कुछ भी घटित होता। और लूत को सादोम से बाहर बुला लिया गया इसके पहले कि मुसीबत की जरा सी बात नष्ट होने की होती; परन्तु अब्राहम सारे समय इससे बाहर था, इसके बाहर। प्रतीक देखिये।

26 परन्तु अब हम पहला पद पढेंगे और हम इसके पहले दो या तीन पद पढेगें।

> *जो सिंहासन पर बैठा था, मैने उसके दाहिने हाथ में एक पुस्तक देखी जो भीतर और बाहर लिखी हुयी थी और वह सात मोहर लगा कर बन्द की गयी थी।*
>
> ***फिर** मैंने एक बलवन्त स्वर्गदूत को देखा जो ऊंचे शब्द से यह प्रचार करता था इस पुस्तक के खोलने और उसकी मोहरे तोडने के योग्य कौन है?*
>
> *परन्तु ना स्वर्ग में ना पृथ्वी पर, ना पृथ्वी के नीचे कोई उस पुस्तक को खोलने या उस पर दृष्टी डालने के योग्य निकला।* (क्या ही पुस्तक है)

तब मैं फूट फूटकर रोने लगा, क्योंकि उस पुस्तक के खोलने या उस पर दृष्टी डालने योग्य कोई मनुष्य न मिला।

27 अब आप अयोग्यता के विषय में बात करते है? "इस योग्य भी नही कि उसको देखे; कही भी; कोई मनुष्य नही।"

इस पर उन प्राचीनो में से एक ने मुझ से कहा, मत रो; देख, यहूदा के गोत्र का वह सिंह जो दाऊद का मूल है, उस पुस्तक को खोलने और उसकी सातों मोहर के तोडने के लिये जयवन्त हुआ है।

तब मैंने उस सिंहासन और चारों प्राणियों... और उन प्राचीनों के बीच में मानो एक वध किया हुआ मेम्ना खडा देखा, उसके सात सींग और सात आंखे थी यह परमेश्वर की सात आत्माये है, जो सारी पृथ्वी पर भेजी गयी है।

उसने आकर उसके दहिने हाथ से जो सिंहासन पर बैठा था, वह पुस्तक ले ली।

28 हम वहां पर थोडी देर के लिये रुकेगें, प्रकाशन 5 से पढते हुये नीचे सातवे पद को मिला कर।

29 यह सात मोहर की पुस्तक, प्रकाशन 10 के सात गर्जनों के समय में प्रकाशित हुयी, अब, यदि आप इस पर निशान लगा रहे है। आईये प्रकाशितवाक्य 10 निकाले, एक क्षण के लिये ताकि आपको इसकी समझ मिलेगी, इसके पहले हम इसमें जाये। अब, यह अन्त के समय में है, इस कारण, सुनिये:

... मैंने एक और शक्तीशाली स्वर्गदूत को बादल ओढे हुये स्वर्ग से उतरते देखा... उसके सिर पर मेघधनुष था...

30 यदि आप ध्यान दे, तो यह मसीह है, देखिये। क्योंकि, वह, पुराने नियम में वाचा का दूत कहलाया था। और वह अब सीधा यहुदियों के पास आया क्योंकि कलीसिया समाप्त हो गयी। समझे? ठीक है।

और मुंह सूर्य के समान... और उसके पाव आग के खम्भे के समान थे:

31 आपको याद है वह दूत प्रकाशितवाक्य 1 में? वही चीज। वो दूत एक "संदेशवाहक" है। और वह इस्राएल के लिये सन्देशवाहक। समझे?

कलीसिया उठायी जा चुकी है देखिये, अब, या उठाये जाने के लिये तैयार है। वह अपनी कलीसिया के लिये आता है। अब ध्यान दे।

और उसके हाथ में एक छोटी सी खुली हुयी पुस्तक थी...

32 अब, यहां, ये बन्द थी और मोहर लगी हुयी; और *यहां* यह खुली है। यह खोल दी गयी। उस मोहर बन्द होने के समय से आज रात्रि हम इसमें जा रहे है, अब पुस्तक खुली है। "एक छोटी पुस्तक उसके हाथ में है, उसके... यह खुली थी। ओह, कैसे सूर्य, जैसे खम्भो... " एक मिनट रुकिये मुझे यहां से आरम्भ करके पढने दे।

और उसके हाथ में एक छोटी सी खुली हुयी पुस्तक थी; उसने अपना दहिना पांव समुद्र पर और बाया पृथ्वी पर रखा और ऐसे बडे शब्द से चिल्लाया, जैसे सिंह गरजता है...

33 हम जानते है वह यहूदा के गोत्र का सिंह है, यहां पर वह मेम्ना है; परन्तु यहां सिंह है। समझे?

और जब वह चिल्लाया तो गर्जन के सात शब्द सुनाई दिये।

34 अब यूहन्ना को लिखने का अधिकार दिया गया था, उसने जो देखा, इसलिये चेला और भविष्यद्वक्ता अपनी कलम इसे लिखने के लिये उठायी।

जब सातों गर्जन के शब्द सुनाई दे चुके तो मैं लिखने पर था पर मैं ने स्वर्ग से यह शब्द सुना, जो बातें गर्जन के उन सात शब्दों से सुनी है उन्हे गुप्त रख और मत लिख।

35 अब यह जो हम नही जानते, ये अभी प्रकट होनी है, यह पवित्र वचन में नही है तो फिर गर्जनें क्या कहती है।

जिस स्वर्ग दूत को मैंने समुद्र और पृथ्वी पर खडे देखा था उसने अपना दहिना हाथ स्वर्ग की ओर उठाया (अब देखिये)

और जो युगानुयुग जीवता है और जिसने स्वर्ग को और जो कुछ उसमें है और पृथ्वी को जो कुछ उस पर है, और समुद्र को और जो कुछ उसमे है सृजा, उसी की शपथ खा कर कहा, अब तो देर ना होगी।

36 ध्यान दे, यहां वह पद है जिसे मैं लेना चाहता हूं।

वरन सातवे दूत के तुरही फूकने पर होने वाले शब्द के दिनों में परमेश्वर का गुप्त मनोरथ उस सुसमाचार के अनुसार जो उसने अपने दास भविष्यद्वक्ताओं को दिया पूरा होगा।

37 अब देखिये सात मोहर की पुस्तक का भेद, सातवी कलीसिया के दूत के सन्देश देने पर प्रकट होगा। समझे? "सातवा दूत शब्द देना आरम्भ करता है," और वहां एक सन्देश लिखा हुआ है और हमारे पास टेप और पुस्तक के रुप में है। अब, "सन्देश देने के आरम्भ में परमेश्वर का भेद समाप्त हो जाना चाहिये, देखिये, उस समय।" अब हम ध्यान देगें। परमेश्वर के भेद की पुस्तक प्रकट नही हुयी है, जब तक सातवे दूत का सन्देश नही आ जाता।

38 अब यह बातें मोहरों में विशेष होगी, मैं निश्चित हूं, क्योंकि यह होना ही चाहिये, हर बिन्दू एक साथ बांधा है।

39 अब यह भेदपूर्ण लिखा है क्योंकि कोई मनुष्य कही भी इसे नही जानता, केवल परमेश्वर, यीशु मसीह, देखा। अब परन्तु... पुस्तक, भेद भरी पुस्तक है यह एक छुटकारे की पुस्तक है, थोडी देर में हम इसमें जायेगें। और अब, हम जानते है कि यह छुटकारे कि पुस्तक पूरी रीति से नही समझी जायेगी, 6 कलीसियायी कालों में इसकी छानबीन हुई। परन्तु अन्त में, जब सातवां दूत, ने उसके भेद का शब्द देना आरम्भ किया, उसने सारे सिरे सुलझा दिये जिनकी लोगों ने छानबीन की। और भेद परमेश्वर की ओर से नीचे आये, परमेश्वर के वचन के समान और परमेश्वर के सारे प्रकाशन को प्रकट कर दिया, तब परमेश्वरत्व और हर चीज तय हो गयी। सारे भेद सर्प का वंश और जो भी और था जो प्रकट होना था।

40 अब, आप देखे, मैं इसे तैयार नही रहा हूँ, यही... ये यहोवा यों कहता है। मैं आपके लिए पुस्तक से पढूंगा, "सातवे दूत के सन्देश देना, परमेश्वर का भेद समाप्त हो जाने चाहिये, जो कि उसके पवित्र भविष्यव्यक्ताओ के द्वारा प्रचार किया गया।" यही वो भविष्यव्यक्ता है जिन्होंने वचन को लिखे। सातवे कलीसिया काल में आवाज़ देने पर, जो अंतिम कलीसिया काल है, सारी छोड़ी हुई बातें जो इन कलीसिया कालो में से होते हुए परखी गयी थी, एक साथ परिसमाप्त की जाएगी।

41 और जब मोहरे टूटी, और भेद खोले गये, वो दूत नीचे आता है, वो संदेशवाहक, मसीह, अपने एक पांव को जमीन पर रखता है, और समुन्द्र

पर, उसके सर पर मेघधनुष डाले हुए। अब याद रखना, ये सातवा दूत धरती पर उसके इस आगमन के समय पर होता है।

42 ठीक जैसे यूहन्ना अपना सन्देश दे रहा था, उसी समय उन दिनों में मसीहा आया। यूहन्ना जनता था वो उसे देखेगा, क्योंकि वो उसका परिचय करवाने जा रहा था।

43 और हम वचनों में अनुभव करते है कि मलाकी 4 में यह वचन है, वहां एक यूहन्ना के समान होना है, एक एल्ियाह जिसके पास परमेश्वर का वचन आ सकता है। और इसे पवित्रता के द्वारा परमेश्वर के सारे भेदों को पवित्र आत्मा के द्वारा प्रकट करना है, और बालको के विश्वास को वापस प्रेरित पूर्वजों की ओर फेरना होगा, इन सारे भेदों को वापस लौटाना होगा, जिसकी खोज इन सारे नामधारी वर्षो में की गयी। अब, यही है जो वचन में परखे गये। मैं बस इसका जिम्मेदार हूँ, क्योंकि जो यह कहता है। समझे? यही है, यही लिखा हुआ है, वो सही है। यही है, जो यह है।

44 अब, हम देखते है कि ये सात मोहर की पुस्तक, अब, छुटकारे का भेद है। यह परमेश्वर की ओर से छुटकारे की पुस्तक है।

45 अब, इस समय सारे भेद इस संदेशवाहक के प्रचार में समाप्त हो जाने चाहिए। अब, दूत *यहां* पृथ्वी पर है और "दूसरा" स्वर्ग दूत सामर्थी संदेशवाहक नीचे उतर कर आया और *यह* पृथ्वी का सन्देशवाहक दूत है; परन्तु *यहां* एक स्वर्ग से उतर कर आता है। एक मेघ धनुष्य की वाचा, देखिये, यह केवल मसीह हो सकता है।

46 ठीक वैसा ही जैसा प्रकाशितवाक्य पहले अध्याय में, "सात सुनहरे दीवटों के बीच में मेघधनुष के साथ खडा है सूर्यकांत और सारदीन सा दिखाई पडता है।"

47 और यहां वह 10 वे अध्याय मे वापस आता है, उस समय के बाद कि सारे भेद समाप्त होने और मोहरे टूटने पर है और यह घोषणा करते हुये कि "समय और नही है।" और उसने कहा, "जब सातवे दूत ने शब्द देना आरम्भ किया, तब भेद समाप्त हो जाने चाहिये और स्वर्ग दूत के प्रकट होने का समय।" हम कही बहुत समीप है, ठीक है। अब ध्यान दे।

48 सात मोहरे पुस्तक के भेद को रखती है, जब तक हम इसे नही देख सकते कि उन सात मोहरों में क्या मोहर बन्द है, हम केवल उन चीजों को अनुमान लगा रहे है। क्योंकि जैसा मैंने आपको आज सुबह के सन्देश

में बताया है इस सुबह, परमेश्वर सादगी में छिपा हुआ है। आप देखिये, हम—हम लोग... हम निश्चय ही बात में चूकते जब तक कि यह पूरी रीति से वास्तव में पवित्र आत्मा के द्वारा प्रगट ना हो और उसका समर्थन करे। समझे? यदि भविष्यद्वक्ता उठता और आपको यह बताता है कि यह बस यह है, और परमेश्वर उस चीज का समर्थन ना करे, तो इसे भूल जाये। समझे? परन्तु परमेश्वर को हर वक्तव्य में हर चीज में इसको समर्थन देना है कि इसे सही ठहराये। समझे? ताकि उसके बालक इन चीजों पर ध्यान देगें और सावधान हो। ध्यान दे।

49 पुस्तक पर सात मोहरे... इन सात मोहरो ने पुस्तक को मोहर बन्द किया है समझे? वो पुस्तक पूरी रीति से मोहरबन्द है। क्या आप देखते है? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] पुस्तक पूरी रीति से मोहरबन्द पुस्तक है जब तक कि सात मोहरे ना टूटे। यह सात मोहरो से मोहरबन्द है। अब यह सात गर्जनों से भिन्न है। समझे? यह सात मोहरे पुस्तक पर है और पुस्तक, नही होगी, मोहरे सातवे दूत के संदेश के प्रचार तक नही खुलेगी। देखा? इसलिये हम अनुमान लगा रहे है, परन्तु परमेश्वर का सच्चा प्रकाशन उसके प्रचार में सिध्द होगा, प्रमाणित किया हुआ सत्य। अब, ठीक यही है जो वचन कहता है, "भेद उस समय खुल जाने चाहिये।"

50 और यह सात मोहर कि पुस्तक, याद रखे ये यहां बन्द है, यहां प्रकाशितवाक्य के पांचवे अध्याय में, और प्रकाशितवाक्य 10 वे अध्याय में।

51 यह खुल गयी, और अब हम यह देखने जा रहे है कि पुस्तक क्या कहती है इस विषय में कि कैसे खुल गयी। और जब तक मेम्ना पुस्तक को नही लेता इसकी जानकारी नही होती और मोहरों को तोडता है, और पुस्तक को खोलता है। समझे? मेम्ने को पुस्तक लेनी ही है।

52 यह छिपी हुयी है। अब याद रखें, "स्वर्ग में कोई मनुष्य नही; पृथ्वी पर कोई मनुष्य नही," पोप, बिशप, कार्डीनल, राज्य का प्रेसपिटेर या वह जो कोई भी है, "उन मोहरों को नही तोड सकता या पुस्तक को प्रकट करे, सिवाये मेम्ने के।" हमने ढूढ–ढांढ की, अनुमान लगाये और ठोकर खाई और आश्चर्य किया और—और यही कारण है कि हम इस प्रकार से एक भ्रम में है।

53 परन्तु इस दिव्य प्रतिज्ञा के साथ कि छुटकारे की पुस्तक, मेम्ने के द्वारा सिध्द रीति से खोली जायेगी, और मोहरे मेम्ने के द्वारा तोडी जायेगी, इन अन्त के दिनों में जिनमे हम अब जी रहे है। और यह तब तक प्रकट नही हुयी जब तक मेम्ने ने पुस्तक नही ले ली और मोहरो को तोडा। क्योंकि, याद रखे, पुस्तक उसके हाथो में थी जो सिंहासन पर बैठा था। "और मेम्ना उसके पास आता है, जो सिंहासन पर बैठा है और उसके दाहिने हाथ से पुस्तक लेता है।" पुस्तक लेता है! ओह, यह गहरी बात है। हम इसे यदि कर सके तो सुलझाने का यत्न करेगें, पवित्र आत्मा की सहायता से, अब हम उस पर निर्भर है। और हम इसे बाद में देखेंगें, यह अन्त के समय में है, "जब समय समाप्त हो गया।"

54 किसी भी नामधारी को इस पुस्तक के अनुवाद की अनुमति नही है किसी मनुष्य को अधिकार नहीं कि इसका अनुवाद करे, यह मेम्ना है जो इसका अनुवाद करता है और मेम्ना ही है जो इसको बोलता है, मेम्ना ही वचन को प्रकट करता है, समर्थन के द्वारा और वचन को जीवन में लाता है। समझे? ठीक यही बात है! ध्यान दे, यह तब तक प्रकट नही हुयी...

55 यह पुस्तक तब तक प्रकट नही हुयी जब तक की कलीसियायी काल और नामधारी युग समाप्त नही हो गये, "और फिर और समय ना रहा।" इसे समझे? यह केवल कलीसियायी युगों नामधारी युगों के बाद प्रकट हुयी है।

56 यही कारण है कि चीजे आज रात्रि इस प्रकार के नैतिक संकोच में है। देखिये, उन्हानें एक छोटी शिक्षा ली और वे *यहाँ* एक ओर निकल गये, कहते हुये, "ये यही है!" दूसरे वाले ने दूसरी शिक्षा ली और *उस* ओर निकल गये कहा, "ये यही है।" और प्रत्येक ने इसी आधीनता में एक नामधारी बना दिया जब तक की सैकडों नामधारी नही हो गये। परन्तु फिर भी इस सारे में भ्रम को देखते है, लोग सोच रहे है कि, "सत्य क्या है?" यदि आज ये इस प्रकार की स्थिति नही है!

57 लेकिन तब उसने यह प्रतिज्ञा दी, "जब समय समाप्त हो गया है, तब सातवे दूत का शब्द होगा और तब पुस्तक प्रकट की जायेगी, देखिये उस समय में।"

58 अब कोई यह ना कहे, "कि वे लोग पहले वाले नही बचे।"

59 परन्तु भेद जो वे नही समझ सके कि कैसे परमेश्वर तीन में हो सकता है और फिर भी एक है! वचन कैसे कह सकता है, "पिता, पुत्र, पवित्र

आत्मा के नाम में बपतिस्मा दो," और पलटकर कहता है, "यीशु के नाम में बपतिस्मा दो।" समझे? ओह, बहुत सारी बातें! भला कैसे हवा एक सेब को खा सकते है सारे संसार के नष्ट का कारण हो गयी है? समझे? यह बातें कैसे हो सकती है? परन्तु इन भेदों के लिये अन्त के समय में खुलने कि प्रतिज्ञा दी गयी।

60 यह छोटे अधूरे अंश जो... ये महान योद्धा द्व्य में आये जैसे कि इरेनियस और मार्टीन, संत मार्टीन और पोलीकार्प और विभिन्न और लूथर और वैसली और वे सारे। समझे? और कैसे वे आये और प्रयाप्त जीवन को जीया कि विभिन्न ज्योतियाँ लाये और चमकाई, परन्तु वे बहुत सारी चीजे अंधकार में—में छोड गये। पेन्टीकोस्टल युग आता है, जैसे लूथरन युग और वे एक ओर को निकल गये, परन्तु फिर भी सही, यह नहीं कहता हूं कि वे सही नही थे, वे थे। परन्तु फिर भी अधूरे अंश रह गये जिनकी व्याख्या नही हो सकी। परन्तु तब उन में... क्यों? मोहरे टूटी नही थी कि इनको पूरी तरह से प्रकट करे कि ये चीजे क्या है। समझे?

61 परन्तु अंत के युग में यह सारे भेद सुलझ गये और दे दिये गये। और मोहरे मेम्ने के द्वारा खोली जानी थी, और कलीसिया पर प्रकट होनी थी और फिर समय और ना बचेगा समझे? ओह, कितना अद्भुत। तब वह पुस्तक, छुटकारे की पुस्तक, क्योंकि फिर यह आगे बढती है...

62 और हम इसे बाद में लायेगें, कि कैसे एक लाख चवालीस हजार अन्दर लाये गये और आदि। ठीक है। ये यहूदी है।

63 अब, अब पौलूस। आईये हम थोडा सा पढे। मेरे पास यह थोडे से वचन है, और मैं सोचता हूं कि—कि हमे उन्हे पढना चाहिये। अब आईये, हम सब निकाले; पौलूस इफिसियों 1 में।

64 मैं देखता हूं कि उनमें से बहुत से लिख रहे है। उनके पास उनकी कापियॉ है और वचनों को लिख रहे है, अपनी बाइबलो में निशान लगा रहे है, एक निरन्तरता के लिये। इसलिये, यह—यह अच्छा है। आपका ऐसा करना मुझे अच्छा लगता है, और फिर घर जा कर इसका अध्ययन करे। समझे? और—और यदि आप स्वंय इसका अध्ययन करते है, तो आप इसे भली प्रकार से समझेगें। समझे? इसका अध्ययन करे और परमेश्वर से समझने के लिये सहायता मांगे।

65 अब आइये एक—एक वचन को पढ़े, मैने यहां लिख रखा है। इफिसियों 1:13 और 14, अब।

और उसी में तुम पर भी, जब तुमने सत्य का वचन सुना जो तुम्हारे उध्दार का सुसमाचार है: और जिस पर... तुमने विश्वास किया, प्रतिज्ञा किये हुये पवित्र आत्मा की छाप लगी।

वह उनके मोल लिये हुओं के छुटकारे के लिये हमारी मीरास का बयाना है, कि उसकी महिमा की स्तुति हो।

66 अब, जबकी हम वचनों को खोलते है, आईये हम... हम देखिये पवित्र आत्मा यहां स्वयं में एक मोहर है। पवित्र आत्मा एक मोहर है। और एक मोहर दिखती है (क्या?) एक पूरा किया गया कार्य। पवित्र आत्मा एक व्यक्ति की मोहर होने के नाते। और उस व्यक्ति को जब वह पवित्र आत्मा पाता है, तब उसके करहाने का समय समाप्त हो गया, देखिये, क्योंकि यह एक यह एक समाप्त किया हुआ कार्य है।

67 जैसे, कि मैं एक रेल रोड कम्पनी के लिये काम किया करता था और हम उस बडे बॉक्स को डिब्बों और दूसरी चीजों को लादा करते थे, उस डब्बे के कारखाने से, और परन्तु फिर इसके पहले उस बडे बॉक्स को मोहर बन्द करे, इन्सपेक्टर यह देखने को आता कि उसमे ठीक से लादा गया है कि नही। यदि नही [भाई ब्रन्हम अपने हाथ से एक बार ताली बजाते है।—सम्पा।] पहली बार यह आपस में किसी चीज से टकरा गये, यह सामान को बखेर और तोड देगा और—और जिम्मेदारी रेलरोड कम्पनी की थी और इन्सपेक्टर हर चीज की जांच करेगा यह देखने के लिये कि हर चीज ठीक से रखी गयी है। यदि ऐसा नही था, वह इसे बॉक्स को दोषी ठहराता है। तब हमे इस सारे को फिर से करना होता था, जब तक कि इन्सपेक्टर सन्तुष्ट ना हो जाये, और तब जब इन्सपेक्टर सन्तुष्ट हो जाता। इन्सपेक्टर दरवाजा बन्द कर देता और तब इन्सपेक्टर उस पर मोहर लगाता और फिर उसे कोई नही तोड सकता था, जब तक कि वह अपने गंतव्य तक ना पहुंच जाये।

68 यही है जो पवित्र आत्मा कर रहा है। समझे? वह जाता और वह जांचता है, यही कारण है कि आपके पास ये चीजे नही हो सकती और... आप कहते है, "मैं भाषाओं में बोला और मैं चिल्लाया और मैं आत्मा में नाचा।" इन बातों का इससे कोई मतलब नही। समझे? पवित्र आत्मा उस व्यक्ति की

जांच करता है, जब तक कि वह पूरी रीति से सन्तुष्ट ना हो जाये और जान ले कि ये लोग है।

69 तब वे अपने अनन्त गंतव्य के लिये मोहरबन्द हो जाते है, वहां कुछ नही है जो उस मोहर को कभी तोड़ सके। बाइबल... आप अपने वचन लिख रहे है इफिसियों 4:40 ने कहा, "परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित ना करो जिससे कि तुम अपने छुटकारे के दिन तक के लिये मोहरबन्द किये हुये हो।" "छुटकारे" शब्द को पकड ले, देखिये, उस दिन तक के लिये जब तक छुटकारे की पुस्तक प्रकट नही हुयी और छुडानेवाला अपनी मीरास का दावा करने को आता है! इसे कुछ नही कर सकता। समझे? "इसे शोकित ना करे" टिके... उन चीजों को करे जो परमेश्वर को प्रसन्न करती है, क्योंकि पुस्तक मोहरबन्द है, अब, और आप मोहरबन्द है। पवित्र आत्मा स्वयं ही एक मोहर है।

70 मोहर प्रकट करती है... अब यह शब्द मुझे शब्दकोष से मिला है। *मोहर* एक "समाप्त कार्य" को दर्शाता है। और जब सातवी मोहर तोडी गयी तो परमेश्वर का भेद जो इन भेद भरी मोहरो में था समाप्त हो गया, जिस दिन तक मोहर नही तोड़ी गयी और तब यह प्रकट नहीं किया गया कि इन मोहरे के अन्दर क्या था।

71 कहें कि मनुष्य आश्चर्य करे कि इस बडे बोक्स में क्या है, "मान सकते है कि *ऐसा—ऐसा* हो, वहां एक मान लेना है, वह अनुमान लगा रहा है।" परन्तु जब मोहर टूट गयी और दरवाजा खुला है, तब हम उसमे देखते है और बिल्कुल ठीक देखते है कि अन्दर क्या है।

आप इसे समझे? और यह केवल अन्त के समय में होगा।

72 दूसरी चीज जो मोहर दर्शाती है वह "स्वामीत्व" है। देखिये, उस पर मोहर दी हुयी है, स्वामीत्व को दर्शाती है, जब आप यीशु मसीह के लहू से खरीदे हुये हो और पवित्र आत्मा के द्वारा मोहरबन्द किये गये हो, तो आपका संसार से सम्बन्ध नही है या कोई चीज जो संसार की है। परमेश्वर के द्वारा आप अपना लिये गये है।

73 दूसरी बात है कि एक मोहर एक "सुरक्षा" है। मोहर का अर्थ है कि आप सुरक्षित है। अब आप लोग जो अनन्त सुरक्षा में विश्वास नही रखते, मैं नही जानता, देखिये। परन्तु अब, परन्तु एक मोहर, गंतव्य तक एक सुरक्षा को दर्शाती है, हाय है उस मनुष्य पर जो उस मोहर को तोडने का

यत्न करता है! उस मोहर को और पवित्र आत्मा की मोहर को तोडा नही जा सकती है।

74 आप सब ने मुझे यह कहते सुना होगा कि लोगों ने कहा, "कि शैतान ने मुझ से *यह* करवा लिया।" नही, नही शैतान ने यह नही किया आप मोहर बन्द नही थे, क्योंकि जब आप अन्दर मोहर बन्द हो जाते है, तो वह बाहर की ओर मोहर हो जाता है। जी हां। समझे? अब आप उसके पास बाहर गये, ओह, वह आपके पास अन्दर नही आ सका, क्योंकि केवल एक ही मार्ग है कि आपके अन्दर आये। उसी विधी के द्वारा आये जो आपके पास है, उसे भी बचना होगा, पवित्रीकरण हुआ और पवित्र आत्मा से भर गया तब वह आपका भाई होगा। इसलिये आप देखिये, उसने—उसने यह नही किया। नही, नही। आप बस किनारे कि रेखा पर चले गये और वापस आये, संसार की चीजों के लिये लालसा। आप कभी भी पूरी रीति से कनान में नही गये, आप देखिये यर्दन के पार, अपने में मर जाना। समझे?

75 अब ध्यान दे, अब, यह पुस्तक मोहर बन्द है। और—और आप पुस्तक के साथ मोहर बन्द है, उस छुटकारे के दिन तक।

76 फिर से रोमियों 8:22 और 23 इसे लेते है और हम यह भूमिका देगें तब मैं सोचता हूं कि हम ये समझ जायेगे थोडी अच्छी तरह यदि हर व्यक्ति इसे अपने लिये पढे। मैं यहां थोडे से वचन दे रहा हूं, इसलिये हम—हम उनकी ओर देख सकते है, और जबकी घडी अब भी युवा है। अब 8, रोमियों 8:22 आरम्भ से।

> *क्योंकि हम जानते है कि सारी सृष्टी अब तक मिलकर कहरती और पीडाओं में पडी तडपती है।*
>
> *और केवल वही नही पर हम जिनके पास आत्मा का पहिला फल है; आप ही अपने में कहरते है और लेपालक होने की अर्थात अपनी देह के छुटकारे की बाट जोहते है।*

77 ओह, प्रभु! ओह! क्या ये हमे पुराने लोग नही बनाता कि अच्छा लगे? इसे हमे अच्छा अनुभव कराना चाहिये इस घडी की प्रतीक्षा कर रहे है। हम समझते है कि यह पहले पुनरुत्थान पर घटित होगा। समझे? प्रकृति कहर रही है, हम कहर रहे है। हर चीज कहर रही है, क्योंकि हम यह अनुभव कर रहे है कि कही कुछ सही नही है। और केवल एक ही विधी है कि आप कहर

रहे है, और इसकी प्रतिक्षा करते है क्योंकि वहां एक नया जीवन है जो *यहां* आ रहा है, जो कि नये संसार की बात करता है।

78 जैसे कि अधिक समय नही हुआ पत्नी यहां, हम यहां सुपर बजार में गये। और मैने कहा, "हमने एक अजीब चीज पायी; एक महिला ने वस्त्र पहन रखे थे।" और ये इतना विचित्र था, देखिये। वे... लगभग सारे वस्त्र नही पहनते, आप देखिये। और कैसे भी वे भुलक्कड है; वे उनके बिना ही चले जाते है। इसलिये तब हम... वे जानबूझकर भुलक्कड है।

79 और इसलिये तब मैडा ने मुझ से कहा, वह बोली, "बिली ये ऐसा क्यों है? " उसने कहा।

80 "ओह," मैने कहा, "यह बस राष्ट्र की आत्मा है।" और मैने कहा, "तब आप जर्मनी जाते है, उनकी एक विशेष आत्मा है। फिनलेण्ड जाये उनकी एक राष्ट्र की आत्मा है। आप अमरीका आये, हमारी एक राष्ट्र की आत्मा है।"

81 हमारे राष्ट्र की आत्मा के आमोद–प्रमोद चुटकुले है। आप जानते है क्यों? हमारी नेव प्रेरितों की शिक्षा पर रखी गयी है। हमारी स्थापना महान मनुष्यों जैसे वाशिग्टन, लिंकन की अगुवाई में हुयी है। परन्तु हम उस नेव से हट गये है, और हम जानते है इस आने वाले को हमने लिया है। हम जानते है कि परमाणु बम के ऊपर हमारा नाम लिखा हुआ है। हम जानते है कि आगे हमारे लिये गुलामी रखी है, हमें आवश्यकता है कि आप अपने को मूर्ख बनाये।

82 यह मुझे याद दिलाता है जैसे कुछ यह हंसाने वाले (विदूषक) और— और नीचे आ कर यह चुटकुले सुना रहे थे, और चल रहा है, और स्त्रियां चल रही थी जैसा वह करती है और पुरुष मिलकर करते है। यह मुझे एक छोटे लडके की याद दिलाता है, जो कब्रस्थान में से सीटी बजाता हुआ जा रहा था, अपने को यह विश्वास दिला रहा था कि वह डरा हुआ नही है। निश्चय ही वह डरा हुआ है। समझे? वह किसी और को मूर्ख नही बना रहा है। इसलिये वह सीटी बजा रहा है। समझे? वह यह कहने का यत्न कर रहा है, वह डरा हुआ नही है परन्तु वह है। और आज यही मामला है।

83 परन्तु, ओह, विश्वासी के लिये क्या ही धन्य आशा है, जो की हाथ उठाना, क्योंकि हमारा छुटकारा निकट आ रहा है। जब वह इन बातों को प्रकट होते देखता है, तो विश्वासी के लिये यह एक महान समय है।

84 अब, यह चीजे जो हमारी देह में कहर रही है। क्या आपने कभी पेड पर ध्यान दिया, कि वह कैसे जीवन के लिये संघर्ष करता है, यह जीना चाहता है। और आपने पशु पर ध्यान दिया, कैसे वह मृत्यु में वह संघर्ष करता है। आपने मनुष्यों हर चीज, प्रकृति कहर रही है, हम अपने में कहर रहे है। समझे? हम जानते है कि कुछ गलत है। हम इन पदो से देखते है कि कुछ है जो खो गया, मनुष्य और पृथ्वी दोनों का। सब प्रकार की सृष्टी ने कुछ खो दिया क्योंकि हम उसके प्रेरणा के वचन से देखते है कि यह किसी कारण से कहर रही है। आप तब तक नही कहरते, जब तक कि इसका कोई कारण ना हो

जैसा कि मैने स्याही के विषय में बोला, यह एक कारण है।

85 इसी प्रकार से बीमारों के लिये प्रार्थना करने में; जब तक हम आप कारण को नही जान लेते है! मैं इलाज जानता हूँ, लेकिन मुझे कारण को जानना होगा। इसी कारण दर्शनों की आवश्यकता होती है और प्रमुख है, यह ह्रदय के भेद को प्रकट करता है और व्यक्ति को बताता है कि तूने कहां गलती की है और क्या करना है। समझे? कोई मतलब नही आप कितनी भी दवाई ले ले और कितना भी तेल उनके सिरों पर उण्डेल दे, और कोई आप के ऊपर कितनी भी जोर से चिल्लाये; यदि वहां कुछ गडबड है, वह वही पडा रहेगा। मैने कहा, "वह" वह शैतान।

86 देखिये, आज, जैसा कि दवाईयों में हमने प्रगति कर ली है, हम अब भी इन बातों के विषय में नही जानते, आप कहते है, "वह उसे कैन्सर हो गया।" भाई वह कुछ नही है। ये, यह—यह बस वे नाम है जो यह है। यह चिकित्सा जगत का नाम है कैन्सर, इसका इससे कुछ लेना देना नही कि यह क्या है। यह तो वह नाम है जिससे हम पुकारते है, हम केवल इसका नाम लेते है, कैन्सर। परन्तु, वास्तव में यह क्या है इसका विश्लेषण करे, यह एक शैतान है।

87 अब, हम कहते है "पाप" हम इसे पाप कहते है, विश्लेषण करे पाप क्या है? बहुत सारे लोग कहते है, "पीना, व्यभिचार।" नही, नही। यह तो पाप के फल है। समझे? यह तो पाप का कारण है, देखिये। परन्तु, वास्तविक पाप अविश्वास है। यही जहां यह है—यही जहां इसे नाम दिया गया और कहलाया, यदि आप एक विश्वासी है आप इन चीजों को नहीं करेगें। परन्तु कोई मतलब नही आप अपने आपको कितना पवित्र बनाये और कितने

धार्मिक होने का यत्न करे; यदि आप इन चीजों को करते है वो आप एक अविश्वासी है। यह वचन के अनुसार है।

88 अब, कुछ खो गया है और यह कहरना है। यह वापस जाने का यत्न कर रहा है, अपनी मूल अवस्था में वापस जाने का।

89 क्या आप कल्पना करेगें कि कोई जमीन से नीचे कहीं गहरे गड्ढे में गिर गया, और संघर्ष कर रहा है, चढ रहा है, खीच रहा है? उन्हे चाहिये कि किसी भी प्रकार से गड्ढे से बाहर आ जाये, वे अपनी मूल अवस्था में नही है। और व्यग्रतापूर्वक, वे चिल्ला रहे है। वे दीवार पर खरोचे मार रहे है, शोर कर रहे है या किसी भी तरह कर रहे है। वे—वे कहर रहे है क्योंकि वे अपनी मूल अवस्था में वापस आना चाहते है।

90 इसी कारण एक व्यक्ति जो बीमारी, दर्द और दुख के साथ लगा है एक समय वे इस तरह से नही थे, परन्तु वे कहर रहे है, क्यो? वे सही नही है। वहां कुछ गडबड है। और वे कहर रहे है, और वही वापस आने का प्रयास कर रहे है, जहां वे थे जब वे स्वस्थ थे।

91 और जब प्रकृति और लोग, जैसा बाइबल ने कहा, "कहर रहे है," ये दर्शाता है कि कही कुछ, वे उस दशा में नही जिसमे होना चाहिये। वे कही से गिरे है, अब हमें आवश्यकता नही कि कोई इसका हमारे लिये अनुवाद करे। समझे? क्योंकि, निसन्देह हम जानते है कि यह अनन्त जीवन था, जहां से वे गिरे है। और अनन्त जीवन पर उन्होने अपना दावा खो दिया है, आदम और हवा के गिरावट के कारण, जो अनन्त जीवन से मृत्यु में गिरे अदन की वाटिका में और अपनी अधीनता में, सारी प्रकृति को मृत्यु में ले आये।

92 आदम से पहले पेड कभी नही मरा था। आदम के पहले एक जानवर नही मरेगा। और केवल एक चीज है जो नही मर सकती है, वो परमेश्वर है, क्योंकि वह अनन्त है। और केवल यही मार्ग है जो कभी हम करने से अलग रह सकते है, हमारे अपने अन्दर अनन्त जीवन होना ही चाहिये, कि परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां हो जाये।

93 परन्तु जब हम मर गये, जैसा कि मैने सुबह सन्देश में कहा पाप करके, हमने अपना जन्म सिध्द अधिकार बेच दिया, और इस गहरी खाई को पार कर गये। अब हम परमेश्वर को पकड से बाहर निकल गये, गहरी खाई के

इस पार। अब, निसन्देह, जब आदम गिर गया, मृत्यु में गिरा, वह सारी सृष्टी पर मृत्यु को ले आया।

94 अब उसे एक स्वतंत्र आचरण माध्यम दिया गया था। यह उनको दिया गया जैसे हमें, कि चुनाव करे। अब, आदम और हवा आरम्भ में, वहां उनके सामने सही और गलत का वृक्ष था और—और वही वृक्ष हर एक के सामने है। देखिये, यह परमेश्वर ने यह आदम या हवा के लिये नही किया... आप कहते है, "अच्छा ये उनकी गलती है।" नही, नही यह अब नही है। यह आपकी गलती है। अब, आप यह आदम के ऊपर नही रख सकते। यह आपको अपने पर लेना होगा, क्योंकि सही गलत आपके सामने है। हम उसी आधार पर है जैसे आदम और हवा थे।

95 परन्तु, आप देखिये जब हम छुडा लिये गये, हम अपना कोई चुनाव नही चाहते परन्तु हम उसकी पसन्द चाहते है। समझे? समझे?

96 अब, आदम और हवा अपना ही चुनाव चाहते थे। वे चाहते थे वे यह मालूम करना चाहते थे, कि बुध्दि प्राप्त करने के लिये यह क्या है, इसलिये उन्होने इसमे खोजा, और यह मृत्यु का कारण बना।

97 अब, जब मनुष्य छुडा लिया गया है अब वह छात्रवृती की और चिन्ता नही करता। वह अब संसार की चीजो कि चिन्ता नही करता, संसार की बुध्दि का। अब वह बिल्कुल चुनाव नही चाहता। मसीह उसका चुनाव है और बस अब यही है। वह छुडा लिया गया है। अब वह अपनी अगुवाई और नही करना चाहता। अब वह किसी से यह बात नही करना चाहता कि कहां जाये और क्या करे। वह बस प्रतिक्षा करता है और अपने रचियता की पसन्द मालुम करना चाहता है। समझे? तब वह अपने रचियता के नाम से जाता है, जब उसका बनाने वाला कहता है जा। समझे?

98 परन्तु मनुष्य बुध्दि ढूढंता है, पाना चाहता है, "भाई यह अच्छी तरह से नष्ट हो जाती है; परन्तु वहां वे मुझे अधिक भुगतान करते है, इसलिये मै वहां जाऊंगा।" समझे? देखा, बुध्दि।

99 अब, जब आदम ने अपनी पत्नी का तर्क सुन कर पाप किया, बजाये की परमेश्वर के वचन को पकडे रहता, इसी ने ही आदम से पाप करवाया। उसकी पत्नी ने शैतान से तर्क वितर्क किया, और फिर आदम को उत्पन्न उत्पाद दिया, और आदम ने वचन को छोड दिया और बेच दिया।

100 उसने अपना वारिसाना अधिकार भी खो दिया, जब उसने अपनी संगति और जीवन का अधिकार खो दिया, स्मरण करें, "जिस दिन तू खायेगा उस दिन तू मर जायेगा।" और जब उसने अपना जीवन खो दिया, क्योंकि उसके पास पृथ्वी का सर्वोच्च पूर्ण अधिकार था। वह पृथ्वी का एक ईश्वर था। परमेश्वर सारी सृष्टी का परमेश्वर है, हर कही। परन्तु उसके पुत्र के पास इस पृथ्वी का नियन्त्रण रखता था। वह बोल सकता था, वह नाम रख सकता था, वह कह सकता था, वह प्रकृती को रोक सकता था, वो जो चाहता था कर सकता था। समझे? परन्तु जब उसने यह कर दिया, उसने अपना वारिसाना अधिकार खो दिया।

101 अब, आदम यह कह सकता था, "यह पहाड यहां से हट कर यहां आ जाये," और यह हो जाता। आदम कह सकता था, "यह वृक्ष यहां से उखड कर वहां लग जाये," यह हो जाता। समझे? क्योंकि उसके पास सारा सर्वोच्च नियन्त्रण था, एक छोटे ईश्वर के समान अपने पिता परमेश्वर के अधिकार में, क्योंकि वह परमेश्वर का एक पुत्र था।

102 अब, क्या हम यहां एक मिनट के लिये रुक सकते है और एक वास्तविक उपदेश ले! देखा? ओह! तब यदि लहू ने इसे फिर से साफ कर दिया है, तो अभी के विषय में क्या है? समझे? देखिये परमेश्वर के उस पुत्र ने, दूसरे आदम ने किया। समझे? और कहा, "वे काम जो मै करता हूं तुम भी करोगें।" समझे?

103 आदम ने अपना वारिसाना अधिकार खो दिया, पृथ्वी का। अब, यह उसके हाथ से चला गया उसे जिसे उसने बेच दिया, शैतान। उसने परमेश्वर से अपने विश्वास को शैतान के तर्क को बेच दिया। इसलिये उसका अनन्त जीवन, जीवन के वृक्ष पर उसका अधिकार, पृथ्वी पर उसका अधिकार जो उसका था, और उसने हर चीज शैतान के हाथों खो दी, उसने अपने हाथों से इसे शैतान के हाथों पहुंचा दिया। इसलिये, अब, यह हुआ यह लौट गया और दूषित कर दिया गया। और आदम के वंश ने जन्म सिध्द अधिकार को नष्ट कर दिया, जो आदम के पास होना चाहिये था जो यह पृथ्वी है। यह ठीक बात है, देखिये, आदम का वंश।

104 उस दिन मैं वहां ट्यूसान पर रुका। जहां मैं किसी से बात कर रहा था, वहां ऊपर पहाड कि चोटी पर, नीचे देख रहा था। मैने कहा, "आप क्या सोचते है! वो, तीन सौ वर्ष पहले, अपनी खेचनेवाली गाडी और पत्नी और

बच्चों के साथ पीठ पर बैठाये हुये यहां पर सवारी के साथ शान्ती से रहने के लिये आये। कोई व्यभिचार नही ना व्हीस्की, ना जूआ, कुछ भी उनमे नही पाया जाता था। वे शुध्दता के साथ रहे। और वो छोटा भेड़िया आता, नहाता धोता हर रात्रि यहां सारे ट्यूसान में शोर करता, छोटे पेड और केकट्स किनारे–किनारे खिले हुये और यहोवा ने इस पर दृष्टी की और अवश्य ही मुस्कुराया होगा। परन्तु एक श्वेत पुरुष उसी मार्ग से आया और उसने क्या किया? उसने केकट्स खोद दिये उसने उन बियर के डिब्बों और व्हीस्की कि बोतलों के साथ देश में गन्दगी फैला दी। उसने राष्ट्र के आचरण को नष्ट कर दिया केवल एक ही प्रकार से वह इन्डियनस को निकाल सका कि उसकी भोजन वस्तू को मार डाले, भैसो को।"

105 जब मै टोम स्टोन को पढ रहा था, उस दिन संग्राहलय में और गेरोनीमो का चित्र देखा। और आप में से बहुत से सोच सकते है कि गेरेनीमो एक स्वधर्म यात्री व्यक्ति था, मेरे लिये वह एक वास्तविक अमेरीकन था। वह उसके लिये लडा जो सही था, जो परमेश्वर ने उसे दिया था, एक भूक्षेत्र और एक राष्ट्र और एक स्थान रहने के लिये। मैं उस पर दोष ना लगाता। और जब वे श्वेत सिपाही वहां घुसे और बल के द्वारा उन्होने वह जगह ले ली और उन्हे मक्खियों के समान मार डाला। और वहां एक मूल चित्र गेरोनीमो के चिकित्सा मुख्यालय का है या उसके अस्पताल का, यह दो या तीन कम्बल के टुकडे कस्कीट के पेड पर थे। और वे घायल, वास्तविक मूल अमरीकन, इन्डियनस अपने परमेश्वर द्वारा दिये गये अधिकार के लिये लड़ रहे थे। और वह गेरेनीमो अपना बालक अपनी कूल्हे पर लिये खडा हुआ वहां अपने यौध्दाओं का लहू बहते हुये और बिना पेसिलीन या किसी चीज के मरते देख रहा था, उनकी सहायता के लिये कोई विधी नही; मूल, परमेश्वर द्वारा दिये हुये अमरीकन! और उन्हें स्वधर्मत्यागी कहते है? मै उसे एक सज्जन पुरुष कहता हूं।

106 कोचाईच कभी भी आत्मसमर्पण नही करता। वह एक बूढा व्यक्ति था, परन्तु अमरीकन सेना जो सुसज्जित थी और वे वहां से जा कर उन भैसो को मार डालते। वे पर्यटन के लिये दौडते और तेज नई खोजी हुयी भैसो के लिये बन्दुके और वे वहां जाते और कहते, "ओह, आज का दिन अच्छा रहा," अपनी डब्बेनुमा कार के एक ओर से या सवारी वाली कार, कहते, "आज मैंने चालीस मारी।" चालीस भैसे, जो कि इन्डियन के सारी जनजाति के लिये दो या अधिक वर्षो के लिये प्रयाप्त थी, वे इस से क्या करते थे? उन्हे

रेगिस्तान में पडा रहने देते। उनके पुराने शव जमीन पर भरे पडे रहते, और सारे क्षेत्र में बदबू, कयोटा उसे खाते।

107 जब इन्डियन भेंसो को मारते, तो धार्मिक अनुष्ठान होता। वह उसके खुरों को लेकर, उन्हे बचा कर बरतन बनाते, उसका मांस वे खाते यहां तक की आतों पर लगा हुआ मांस भी। वे उसका सारा मांस निकाल कर उसे लटका कर सुखा देते। उसकी खाल सूख जाती थी, और उससे कपडे और तम्बू बनाते। वहां कुछ ऐसा नही...

108 परन्तु जब श्वेत मनुष्य आता, श्वेत मनुष्य स्वधर्मत्यागी। वह बदमाश। और वह अन्दर आता और उन भेंसो को मार डाला और उन इन्डियनस को भूखा मार डाला।

109 कोई भी मूल व्यक्ति अपने परमेश्वर द्वारा दिये गये अधिकार के लिये लडेगा। यह अमरीकन झंडे पर एक दाग है, जो उन्होने अमरीकन के साथ किया। कुल मिला कर, ये उनका है।

110 आप जापानियों के लिये क्या सोचेगे, यदि... जापान या—या कोई, रुस अन्दर आकर और कहें, "यहां से निकल जाओ! यहाँ से पीछे हटो," और—और हमारे बच्चों के साथ वैसा ही करे जिस प्रकार हमने इन्डियनों के साथ किया? परन्तु याद रखे जो हमने बोया है और अब हम वह काटने जा रहे है। आप जानते है, यह प्रभु का नियम है। बोने का एक समय है, काटने का एक समय है। मैं सोचता हूं कि यह बहुत खराब है। जी हां, श्रीमान।

111 अब क्या हुआ? आदम के मिलावटी वंश ने सब दूषित कर दिया और देश को पूरी रीति से नष्ट कर दिया। क्या आप जानते है, बाइबल यह कहती है? और क्योंकि उसने यह किया है, आदम का दूषित वंश, परमेश्वर उन्हे नष्ट कर देगा। आप यह पढना चाहते है? आईये देखे; मैंने यह यहां लिख रखा है, प्रकाशितवाक्य का ग्यारवांह अध्याय और हम यह पाते है, प्रकाशितवाक्य का 11 वां अध्याय निकाले, और हम देखेगें कि परमेश्वर ने इनके विषय में क्या कहा है वे जो इस पृथ्वी का नाश कर रहे है। 11 वां अध्याय और आईये 18 वां पद, मेरा विश्वास है, यही है, 11:18, हम यहां पर है।

> *जातियों ने क्रोध किया, पर तेरा प्रकोप आ पडा, और वह समय आ पहुंचा है कि मरे हुआं का न्याय किया जाये, और तेरे दास भविष्यद्वक्ताओ और पवित्र लोगों को और उन छोटे बडो को जो*

तेरे नाम से डरते है, बदला दिया जाये, और पृथ्वी के बिगाडने वाले नष्ट—नष्ट किये जाये।

112 वे क्या करने जा रहे है? जो उन्होने बोया वह काटा। निश्चय ही। जब आप पाप को सडक पर दौडते देखते है! आज रविवार कि रात्रि, कितने कितना व्यभिचार हुआ आज रात्रि इस नगर में? कितनी स्त्रियां अपने विवाह की प्रतिज्ञा को तोडेगी, मैदान के इस छोटे से गड्ढे में, जो कि जैफरसनविले कहलाता है? आप क्या सोचते शिकागो में कितने गर्भपातो का अभिलेख होगा। तीस दिनों में? 25 से 30 हजार प्रति माह उन्हे छोड जो वापस नही आये, शिकागो शहर में कितनी शराब पी गयी? एक रात में आप क्या सोचते है, लोस एन्जलस में क्या हुआ? कितनी बार प्रभु का नाम व्यर्थ लिया गया आज इसे जैफरसनविले के नगर में? क्या यह अब अच्छा है या तब अच्छा था, जब जोर्ज रोजर क्लार्क उन लट्ठो पर आया था? आप देखिये, हमने पृथ्वी को अपनी गन्दगी से कितना दूषित कर दिया और परमेश्वर उनको नष्ट करेगा जिन्होने संसार नष्ट किया है। परमेश्वर ने ऐसा कहा है।

113 मै हमेशा सोचता हूं कि मुझ में कुछ था, कि मैं पहाडों पर जाना चाहता हूं, और देखूं कि परमेश्वर ने उन्हे कैसे रखा है।

114 मुझे फलोरिडा अच्छा नही लगता जहां उन्होने कृत्रिम ताड के पेड लगा रखे है। और ओह, इससे तो मैं यह चाहूँगा कि मगरमच्छ को पूंछ हिलाते हुये देखूं, वहां जंगलों में बजाये इसके कि बनावटी चीजे देखूं, जो वे हॉलीवुड में करते है, और उनकी सारी चमक धमक और पियकड्डो का झुण्ड। और ओह, मैं बस सोचता हूँ, "किसी दिन! किसी दिन!" जी हाँ।

115 परन्तु याद रखें, बाइबिल ने हमें मत्ती के 5 अध्याय में बताया, कि, "दीन लोग पृथ्वी के अधिकारी होगे।" यह सही है। "दीन और नम्र पृथ्वी के अधिकारी होंगे।" यीशु ने कहा, "धन्य है जो नम्र है," वे सादे लोग वे अपने आप को कुछ बडा नही बनाना चाहते, "वे पृथ्वी के अधिकारी होंगे।" यीशु ने ऐसा कहा है। जी हां। अब उन्होने इसे गन्दा कर दिया है, परमेश्वर उन्हे नष्ट कर देगा; परन्तु नम्र लोग पृथ्वी के अधिकारी होंगे, जब यह शुध्द हो गयी हो।

116 अब, ओह, प्रभु! अब खोया हुया अधिकार पत्र अब मूल स्वामी के हाथों में है, सर्वसामर्थी परमेश्वर। पृथ्वी का अधिकार पत्र और अनंतजीवन, जब आदम ने इसे खो दिया; तब शैतान के गन्दे हाथ इसे ना ले सके, इसलिये

यह सीधा मूल स्वामी के पास वापस चला गया, स्वयं परमेश्वर के पास। कुछ ही मिनटों में हम यह देखने जा रहे है, वहां वह सिंहासन पर इस अधिकार पत्र को अपने हाथ में लिये बैठा हुआ है। [भाई ब्रन्हम दो बार ताली बजाते है।—सम्पा।] ओह, मुझे धार्मिक अनुभूति हो रही है। अनन्त जीवन के लिये अधिकार पत्र, अधिकार पत्र का सारांश अनन्त जीवन के लिये, जब आदम ने इसे बुध्दी के लिये खो दिया था बजाये विश्वास के, यह वापस स्वामी के हाथों में चला गया, सामर्थी परमेश्वर। क्या ही महान बात है!

117 ठीक है, प्रतिक्षा कर रहे है। यह क्या कर रहा है? परमेश्वर के हाथों में, छुटकारे के दावो की प्रतिक्षा कर रहा है। उसने छुटकारे का मार्ग बनाया है, उसने वापसी का मार्ग बनाया है, और किसी दिन छुडानेवाला इसे वापस लेगा। आप देखिये हम कहां कि ओर जा रहे है? हम सिंहासन पर बैठे व्यक्ति पर ध्यान करेगें। ठीक है, छुटकारे के दावे की प्रतीक्षा करेगें, यह छुटकारा है।

118 यह छुटकारे कि पुस्तक क्या है, यह अधिकार पत्र, अधिकार पत्र का सारांश? "आप कहते है, 'सारांश?'" सारांश का क्या होता है? इसको पीछे आरम्भ तक खोजना इसका यह अर्थ है। जैसे की वो छोटी सी—जैसे की वो छोटी सी स्याही की बूंद आज सुबह, जब यह ब्लीच से जा कर टकराती है, यह फिर से वापस चली गयी। और जब पाप स्वीकार कर लिया जाता है, और यीशु मसीह के लहू में गिर जाता है। ओह, प्रभु यह सारांश देता है, ठीक सीधा वापस फिर से सृष्टीकर्ता को। आप परमेश्वर के पुत्र हो जाते है। अधिकार पत्र का सारांश सर्वसामर्थी के हाथों में है। ओह, प्रभु!

119 इस छुटकारे का अर्थ, वह सब जो आदम और हव्वा के द्वारा खो गया था। उसका वैधानिक अधिकार, ओह, प्रभु! [भाई ब्रन्हम हाथ से ताली बजाते है।—सम्पा।] नया जन्म पाये मसीही का इससे क्या लेना देना होना चाहिये। यह सामान्य दस्तावेज का वैधानिक अधिकार है, अनन्त जीवन का अधिकार पत्र का अर्थ है कि आप हर चीज का अधिकार रखते है, जो आदम और हवा ने खो दिया था। व्यूह! भाई इसका क्या अर्थ है? दस्तावेज का अधिकार रखना।

120 आदम छुटकारे की शर्ते पूरी ना कर सका, खोने के बाद उसने पाया, कि उसने पाप किया और अपने आप को परमेश्वर से अलग कर लिया है, और खाई के *इस पार* था, इसलिये वह इसे छुडा नही सका। वह बस इसे नही कर सका, क्योंकि उसे—उसे स्वयं के लिये भी यह छुटकारा चाहिये था, स्वयं के लिये, इसलिये वो इसे ना कर सका।

121 परन्तु व्यवस्था को छुडानेवाला निकट कुटम्बी कि मांग करती है। परमेश्वर की व्यवस्था छुडानेवाले निकट कुटम्बी की मांग करती है। आप इस पर निशान लगाना चाहते है, "छुडानेवाला निकट कुटम्बी।" लेवव्यवस्था 25, इसे देखे।

122 हमारे पास इसे ढूढने का समय नही, क्योंकि आप जानते है, हर—हर विषय एक रात्रि लेगा। समझे?

123 परन्तु परमेश्वर की व्यवस्था ने इसके बदले कुछ लिया। अब, क्या होता यदि परमेश्वर ने इसके बदले में लेने के लिये कुछ और ना दिया होता? परन्तु प्रेम ने उसे बाध्य कर दिया कि यह करे। कि मनुष्य बिना वापसी के साथ और उसके पास वापस जाने को कोई मार्ग नही था। वह नष्ट हो गया था। परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह ने इस छुडाने वाले निकट कुटम्बी को व्यक्ति यीशु मसीह में पूरा किया। व्यवस्था की यह मांग थी। अनुग्रह ने इस मांग को पूरा किया, ओह, आश्चर्यजनक अनुग्रह, सुनने में कितना मीठा! परमेश्वर की व्यवस्था, एक निर्दोष प्रतिनिधी की मांग करती है।

124 और कौन निर्दोष था? हर व्यक्ति लैगिंक संबंध के बाद जन्मा हर एक। और केवल एक ही जो नही था, अपने अनन्त जीवन के अधिकार को छोड दिया और इस पृथ्वी पर राजा होने को।

125 ओह, ओह! जब मैं इस वचन पर सोचता हूं, "क्योंकि तूने हमें वापस परमेश्वर के लिये छुडाया और ताकि हम राज्य करे और पृथ्वी पर राजा और याजक बने।" ओह, प्रभु, क्या ही? छुडानेवाला कुटम्बी! ओह, क्या ही कहानी यहाँ हमारे पास होगी!

126 ध्यान दे, व्यवस्था की मांग एक छुडानेवाले निकट कुटम्बी है कि खोई चीज को वापस लाये। अनुग्रह ने इस आवश्यकता को व्यक्ति यीशु मसीह में पूरा किया। एक छुडानेवाला कुटम्बी मनुष्य जाति से उत्पन्न होना चाहिये।

127 अब, हम कैसे हो सकते थे, जब कि हर मनुष्य जो जन्मा... और कोई भी जो इसे नही देख सका कि यह एक लैगिंक व्यवहार था, तो वह पूरी रीति से अन्धा है, देखिये, क्योंकि हर व्यक्ति एक स्त्री से ही जन्मा था।

128 और परमेश्वर की मांग छुडानेवाला निकट कुटम्बी थी। और उसे एक मनुष्य ही होना चाहिए। ओह, प्रभु! अब आप क्या करने जा रहे है? नियम छुडाने वाले निकट कुटम्बी की मांग करता है।

129 अब वह स्वर्गदूत को नही ले सकता था। उसे तो एक मनुष्य ही होना चाहिये क्योंकि हम स्वर्गदूतों के कुटम्बी नही। हम एक दूसरे के सम्बन्धी है। स्वर्गदूत कभी नही गिरे, वे भिन्न प्रकार के जीव है। उनकी देह भिन्न है। उसने कभी पाप नही किया। वह कुछ भी, भिन्न है।

परन्तु व्यवस्था की मांग छुडानेवाले निकट कुटम्बी की है।

130 और पृथ्वी पर हर व्यक्ति काम भावना से जन्मा है। क्या आप नही देखते कि यह कहां से आया है, यही जहां से पाप आरम्भ हुआ। इसलिये आप देखते है कि यह अब कहां है? यहां यह आपका सर्पवंश आता है। समझे?

131 अब ध्यान दे, छुडानेवाले निकट कुटम्बी कि आवश्यकता है। और छुडाने वाला, निकट कुटम्बी छुडाने वाला, मनुष्य जाति से जन्मा होना चाहिये। यहां, यह हमे एक छोर पर ले आता है। परन्तु मैं आपके लिये एक तुरही बजा दू, कुवारी ने जन्म दे कर उस चीज को उत्पन्न किया। आमीन। उस कुवांरी के जन्माने के द्वारा हमारा छुडानेवाला निकट कुटम्बी उत्पन्न हुआ, और कोई नही केवल वही सर्वशक्तीमान परमेश्वर इम्मेनुएल बन गया हम में से एक इम्मेनुएल! "वह छुडानेवाला निकट कुटम्बी" मिला था। आप देखिये परमेश्वर ने कैसे मोल को पूरा किया, और वहां हम कुछ नही कर सकते थे। परन्तु तब अनुग्रह ने कदम बढाया और व्यवस्था को ढांप दिया और एक उत्पाद उत्पन्न किया। आमीन! [भाई ब्रन्हम एक बार ताली बजाते है।—सम्पा।]

132 ओह! आप घर पहुँचते है! मुझे अपनी छोटी सी झोंपड़ी मिलती है, जिस पर भाई नेविल इस विषय में गीत गाते है। आप सब वहां नीचे कुछ सुनते है, एक दिन सुबह गाते हुये, "आश्चर्यजनक अनुग्रह, कितनी मीठी आवाज, जिसने मुझ जैसे अभागे को बचा लिया!" आप कहते है, "परमेश्वर की महिमा हो! बूढे भाई ब्रन्हम ने बना दिया। वह वहां है, देखिये।" जी हां। ओह!

यह अनुग्रह है जिसने मुझे भय मानना सिखाया,
यह अनुग्रह था कि मुझे भयमुक्त करता है;
वह अनुग्रह जो प्रकट हुआ कितना मूल्यवान है
वह घडी, मैने पहली बार विश्वास किया!

133 प्रतिक्षा करे जब तक हम इस पर आते है, कुछ एक क्षण में! ओह, प्रभु! अब देखे। वह पुस्तक...

134 रुत की पुस्तक इसका सुन्दर चित्रण देती है, कैसे बोआज... और निओमी ने अपनी भूसंपत्ती खो दी, आप—आप जानते है। आपने इस पर मुझे प्रचार करते सुना है, क्या नही? अपने हाथों को उठाये यदि आपने मुझे इस पर प्रचार करते सुना है, ताकि आप इसे समझ ले, देखिये। बोआज को छुडाने वाला होना था। और केवल वही था जो कर सकता था। उसे कुटम्बी ही होना था एक निकट कुटम्बी। और नियोमी को छुडाने में, उसे रुत मिली। यह यीशु था, बोआज मसीह की प्रतिछाया है। और जब उसने इस्त्राईल को छुडाया, उसे अन्यजाति दुल्हन मिली। इसलिये, आप देखिये, यह बहुत ही सुन्दर है! यह हमारे पास टेप पर है, मुझे पक्का है, यहां कही आप इसे लेना चाहेगे।

135 अब ध्यान दे, अब, उसे निकट कुटम्बी होना चाहिये। इसलिये, आप देखिये, एक स्वर्गदूत, इसे नही कर सकता था। एक मनुष्य इस नही कर सकता था, यह मनुष्य होना चाहिये था परन्तु वह स्त्री से जन्म नही ले सकता था, एक काम भावना का व्यवहार। इसलिये, एक कुंवारी से जन्म, पवित्र आत्मा ने मरियम पर छाया की, इसलिये यीशु यहूदी नही था, यीशु अन्यजाति नही था, यीशु परमेश्वर था, यह बिल्कुल सही है, उसका लहू किसी काम भावना के व्यवहार से नही आया। वह पवित्र परमेश्वर की सृष्टी का लहू। और हम यहूदी लहू से नही बचे ना ही अन्यजाति के लहू से बचाये गये, "हम परमेश्वर के लहू के द्वारा बचाये गये।" यह बाइबल के अनुसार है। यह ऐसा कहती है, "हम बचाये गये... "

136 इसलिये, आप देखिये, यीशु परमेश्वर था, वह कोई तीसरा व्यक्ति, चौथा व्यक्ति, दूसरा व्यक्ति नही था। वह एक व्यक्ति था। वह परमेश्वर था, देखिये। वह परमेश्वर इम्मेनुवेल था, परमेश्वर अपनी महिमा से नीचे उतर कर आया, और अपने आप को प्रकट किया। मै बोर्थ डिबरॉन की उस कहानी से प्रेम करता हूं, वह महान सुन्दर भजन।

अपनी महिमा से नीचे उतरा, कि एक जीवित कहानी
मेरा परमेश्वर और बचाने आया और यीशु उसका नाम
चरनी में जन्म लिया, अपनों में परदेशी,
दुख, आसू और संघर्ष का एक मनुष्य। ओह!

क्या ही कृपालुता, हमारे लिये छुटकारा लाया;
जब मृत्यु की रात्रि में, जरा भी आशा नही दिखाई देती थी;
परमेश्वर, अमूल्य, कोमल ने, अपनी महिमा को एक ओर रख दिया
निवेदन में झुक गया और मेरा प्राण बचा लिया।

ओह, मैं उस से कितना प्रेम करता! कितनी उसकी आराधना करता हूँ!
मेरी सांस, मेरी धूप, मेरा सब कुछ!
वह महान छुडानेवाला, मेरा बचानेवाला बन गया,
वह महान रचियता, मेरा बचानेवाला बन गया,
और परमेश्वर कि सारी परिपूर्णता, उसमें वास करती है।

137 यही है जिसने मांग को पूरा किया, अनुग्रह ने व्यक्ति यीशु मसीह को उत्पन्न किया। और अब हम इस पुस्तक को पाते है... परमेश्वर ने अपना तम्बू ताना, परमेश्वर से निकल कर मनुष्य बन गया। उसने अपनी प्रवृति को (वंश) बदल दिया, सर्वशक्तिमान से एक मनुष्य बनने के लिए; एक मनुष्य का रूप ले, ताकि वह मर सके, मनुष्य को छुडाने के लिये। जब तक उसे देखे ना प्रतीक्षा करे, "जब वहां कोई भी योग्य ना था।" समझे? ठीक है।

138 बाइबल में, रुत की पुस्तक में, जैसा कि आप पढते है, आप यह पाएंगे कि ऐसा व्यक्ति "गोयल" कहलाता था गो–य–ल। या गोयल कहलाता था, यह वह व्यक्ति था, जो मांग को पूरा कर सकता था, और यह करने के योग्य होना चाहिये, करने कि इच्छा होनी चाहिये और कुटम्बी होना चाहिये, अगला निकट कुटम्बी कि यह करे।

139 और परमेश्वर आत्मा का सृष्टीकर्ता, हमारा कुटम्बी बन गया, जब वह मनुष्य बना ताकि वह हमारे पापों को अपने ऊपर ले सके और दाम चुकाये

और हमे फिर से वापस परमेश्वर के पास ले आये। यही है। एक छुडाने वाला है।

140 अब मसीह ने हमे छुडा लिया है। अब हम छुडाये जा चुके है। परन्तु उसने अभी अपने अधिकार का दावा नही किया है। अब आप यहां हो सकता है सहमत ना हो, परन्तु थोडी देर रुके एक मिनट, देखिये, हम देखेगे, समझे? उसने इसका दावा नहीं किया है। समझे? यदि वह छुटकारे कि पुस्तक को लेता है, हर चीज जो आदम के पास थी और हर चीज उसने खो दी, मसीह वापस ले लेता है। और उसने हमे पहले ही छुडा लिया है। परन्तु उसने अभी अधिकार नही लिया है; वह नही ले सकता जब तक कि नियुक्त समय ना आये। और तब पुनरुत्थान आयेगा, तब पृथ्वी का फिर से नवीनीकरण होगा और फिर वह पृथ्वी का अधिकार लेगा, जब उसने हमें छुड़ाया, उसने अपना अधिकार प्राप्त कर लिया, परन्तु वह इसे नियुक्त समय पर करेगा। ओह, प्रभु!

141 इसका वर्णन इस सात मोहर की पुस्तक में है, जिसके विषय में हम अब बात कर रहे है। ठीक है। छुटकारे की पुस्तक उसका वर्णन यहां पर है। यही जो सब मसीह अन्त में करेगा, हम पर इस सप्ताह मे प्रकट किया जायेगा, इन सात मोहरों में यदि परमेश्वर हमे करने देगा। समझे? ठीक है, यह प्रकट किया जायेगा। जैसे–जैसे मोहरे टूटती है, प्रगट हुआ, और हमे दिया गया, तब हम देख सकते है कि छुटकारे कि यह बडी योजना क्या है और कब और कैसे यह किया जाना है, यह सारा इस भेद पुस्तक में छिपा है। यह सात मोहरे लगा कर बन्द की हुयी है, इसलिये केवल मेम्ना ही है, जो इन्हे तोड सकता है।

142 अब... [भाई ब्रन्हम का ध्यान कही और आकर्षित हुआ।—सम्पा।] मुझे क्षमा करें। वे अनुभव है...

143 अब, यदि आप वचनों में देखना चाहते है, तो आप यर्मयाह में जा कर और वहां इसे देख सकते है। जब वो—वो जब वो—वो बंधुवाई के देश में जा रहा था, आप जानते है, उसने रिश्तेदार से खरीदा... उसके रिश्तेदार के पुत्र के पास कुछ संपत्ती थी और वह वहां गया, मोहर की। यदि हमने इस सब को लिया... यह हमारे पास *सात कलीसिया कालों* में भी है, ये *मोहरे* और आदि वहां पर।

144 आप पुराने नियम में एक मोहर देखते है वह *इस* प्रकार से लिपटी हुयी थी। [भाई ब्रन्हम कागज का पन्ना लेकर उससे दर्शाते है, और उसे खोलते है।—सम्पा।] और *यहाँ* पर वो एक भेद था, और वो भेद छिपा हुआ था। ठीक है, ये चारों ओर से मोहर बन्द था और यहां रखा था, *अमुक–अमुक* दावा। फिर अगला भेद चारों तरफ लपेटा हुआ था, यह वारिसना अधिकार क्या था और इस पर *ऐसे लगा* हुआ था, *अमुक–अमुक* दावा करे। और पूरा घुमने तक लपेटा जाता था जो खर्रा था, क्योंकि तब लोगों के पास *इस* प्रकार की पुस्तके नही थी, यह लिपटे हुये गठ्ठर में थे, (आप में से कितने यह जानते है?) खर्रा कहलाया। ठीक है, एक मोहर से लिपटा हुआ खर्रा, आप *यहां* से एक तोड सकते थे, इसका भेद क्या था, इसे तोड कर खोलते और आप देख सकते थे कि वह दावा क्या था। और फिर दूसरे वाले को तोडते, और आप देख सकते है कि दावा क्या था।

145 और सारी बात यहां सात मोहरे है, जिसमें परमेश्वर के भेद संसार के सृष्टी के समय से, सब यहां मोहर बंद है और विभिन्न सात मोहरों के द्वारा प्रकट हुये कि यदि परमेश्वर की इच्छा है वह हमें होने दे कि हम इन मोहरों को वापस खोले और पुस्तक में होते हुये देखे और ढूढे यह सब किस विषय में है। समझे? ओह मै आशा करता हूं कि हमारा महान समय होगा। यहां छुटकारे का भेद मोहर बन्द है, जब तक की... यह पुस्तक तब तक तोडी नही जा सकती थी, जब तक की अन्तिम संदेशवाहक का संदेश।

146 यह लिपटा बंडल वहां पर है, हमें मालूम था कि यह वहां था। हम जानते थे कि यह छुटकारा था, हमने विश्वास किया यह छुटकारा था। यर्मयाह ने कहा, "यह लपेटी हुयी पुस्तक को रखना ही है... " जैसा कि इसे आप वहां पढते है, वह कहेगा। उसे यह मिट्टी के वर्तन में ही रखनी है। समझे? ओह, वह क्या ही सुन्दर चीज है जिसके विषय में हम थोडी देर के लिये बात कर सकते है। यह लिपटी हुयी पुस्तक मट्टी के बर्तन में रखी है, एक बर्तन जो एक बार देह बना (महिमा हो!) मरा, फिर जी उठा और मिट्टी के बर्तन में रखा रहा, जब तक की खरीदने का समय नही आया। ओह, प्रभु! सुन्दर रूप से! ठीक है।

147 अब, इन सन्देशों को, जब तब यह मिट्टी का बर्तन, जब तक परमेश्वर का निर्धारित समय, अन्तिम सन्देशवाहक का पृथ्वी पर आना नही होता। और इन सारे लोगों का न्याय हुआ और कहा, "मैं जानता हूं कि वहां है,

मै विश्वास करता हूं कि यह वहां है।" और उन्होनें इस पर युध्द किया और इसे लेकर सामने आये और चीजो को उत्पन्न किया। विश्वास के द्वारा उन्होने इसका विश्वास किया, परन्तु अब यह, हमारे सामने प्रकाशन के द्वारा लाया जा रहा है, और परमेश्वर के हाथ से सामर्थ के द्वारा। परमेश्वर ने ऐसा कहा है। उसने इसकी प्रतिज्ञा दी है।

148 अब, अब आईये हम देखे, कि हम, हम कहां पर थे? आईये, आईये दुसरे पद पर चले। पहले पद के लिये लम्बा समय है, पर आईये—आईये—आईये हम दूसरा पद ले। अब, हो सकता है अगले वाले पर हम अधिक समय नही रुकेगे।

> *फिर मैने एक बलवन्त स्वर्गदूत को देखा* (बली) *जो ऊंचे शब्द से यह प्रचार करता था, इस पुस्तक के खोलने और उसकी मोहरे तोडने... के योग्य कौन है?*

149 अब स्मरण रखे, आईये हम पहले पद को फिर से पढे, ताकि हम इसे एक साथ ले सके...

> *जो सिंहासन पर बैठा था मैंने उसके दहिने हाथ में...*

150 परमेश्वर! वह कौन है? जीवन की पुस्तक का मूल और निरपेक्ष रखने वाला, वह इसे पकडे है, परमेश्वर, जब आदम ने इसे खो दिया। तो यह वापस मूल स्वामी के पास वापस चली गयी। यह उसी की है।

> *और* यूहन्ना ने (दर्शन में) *देखा। जो सिंहासन पर बैठा था, और मैने उसके दहिने हाथ में एक—एक पुस्तक देखी जो भीतर और बाहर लिखी हुयी थी और वह सात मोहर लगाकर बन्द की गयी थी।*

151 देखिये, अन्दर! अब, जब हम इन मोहरों को तोडने जा रहे है तो आप देखने वाले है, यह वापस वचन में जाता है, कुल मिलाकर वापस, उन, प्रत्येक मोहरों के लिये। वे सारी चीजे एक साथ सारे भेद, यहां इन मोहरों में है। समझे? बाइबल का हर भेद इन मोहरो में है। समझे? [भाई ब्रन्हम पुलपिट पर पांच बार ठकठकाते है।—सम्पा।] और जब तक समय नहीं आता मोहरे तोडी नहीं जा सकती। मैं इसे वहां एक मिनट में साबित करूँगा।

152 अब, ध्यान दे, याद रखे पुस्तक मोहर बन्द है। यहां एक ये यहां, *यह* मोहर। तब दूसरा वाला लपेटा गया, एक मोहर, दूसरा लपेटा गया, एक

मोहर। यह एक छुटकारे की पुस्तक है। यह सारी चीजे मिलकर एक पुस्तक बनाती है और यह सात मोहरों से मोहर बन्द है। और फिर यह पीछे की ओर है, इसलिये क्योंकि यह लिपटा हुआ है, मोहरबन्द भेद अन्दर की ओर है, और यह केवल कहता है, "सफेद घुडसवार," या "काला घुडसवार," और क्या–क्या। बाहर की ओर परन्तु सारी पुस्तक का भेद उन मोहरो में है, उत्पत्ती से प्रकाशितवाक्य तक। छुटकारे की सम्पूर्ण योजना इन सात मोहरों में प्रकट कि गयी है। अब, यह विशेष समय है। परमेश्वर इसे पाने में हमारी सहायता करें। देखा?

153 अब, "एक बलवन्त स्वर्गदूत... " अब दूसरा पद।

> *... बलवन्त स्वर्गदूत, जोरदार आवाज में घोषणा करता है, कौन योग्य है...* (किसके लिये योग्य?) *कौन इस पुस्तक को लेने योग्य है...*

154 अब, हम यह पाते है। कि अब वह पुस्तक कहां है? उस मूल स्वामी के पास, क्योंकि यह पुत्र के द्वारा खो दी गयी थी, मानव जाति में, परमेश्वर के पहले पुत्र के द्वारा। शैतान की सुनने के द्वारा उसने अपना अधिकार खो दिया, उसने दे दिया... उसने क्या किया? उसने शैतान की बुध्दि को स्वीकार किया बजाये परमेश्वर कि वचन के। अब क्या हम यहां थोडी देर के लिये रुक सकेंगे! परमेश्वर के पुत्र इस विषय में धर्म विज्ञान के विचार को लेगे, बजाये परमेश्वर के वचन के। देखिये, यही चीज आदम ने की अपना अधिकार दे दिया और जब यह हुआ, ये सीधा वापस चला गया। क्या आप नही देख सकते, वे युग कहां पर थे? समझे? सीधा वापस मूल धारक के पास।

155 और यूहन्ना आत्मा में यहां स्वर्ग में खडा है। वह हाल ही में ऊपर उठाया गया था, उन कलीसियायी कालों से, देखिये कलीसिया काल देखे। और फिर चौथे अध्याय में वापस उठा लिया गया। उसने कहा, "यहां ऊपर आ जा। मैं तुझे वे आनेवाली बाते तुझे दिखाऊंगा।"

156 और उसने किसी को सिंहासन पर बैठे देखा, उसके हाथ में यह पुस्तक थी, उसके दाहिने हाथ में। अब, इस पर सोचे, और फिर इस पुस्तक में छुटकारे का अधिकार पत्र, और सात मोहरों से मोहर बन्द है।

157 और फिर एक स्वर्गदूत आता है एक बली स्वर्गदूत, जोरदार आवाज से घोषणा करता है, "इस पुस्तक के खोलने के योग्य कौन है; पुस्तक

को लेने के? मोहरे खोलने के योग्य कौन है? इस पुस्तक को खोलने के योग्य कौन है? " देखिये, स्वर्गदूत ने यह पूछा। यूहन्ना ने देखा। और उसने कहा, "अब कौन योग्य है? वह करे... " ओह, प्रभु! सम्भव है, मैं इस तरह से अनुभव कर रहा हूँ! इस प्रकार से "परन्तु उसे करने दो" स्वर्गदूत ने कहा, "वह करे... " *यहां* छुटकारे की पुस्तक है! *यहां* छुटकारे की योजना है! *यहां* केवल एक ही मार्ग है, जिसे आपका कभी छुटकारा होगा, क्योंकि *यहां* सारे स्वर्ग और पृथ्वी के छुटकारे का अधिकार पत्र है! "यदि वह आना चाहे, उसे सामने आने दो।" ओह, प्रभु! "अब बोले या सदा के लिये शान्त रहे। वह सामने आये और इस पुस्तक का दावा करे, इसे करने के लिये कौन योग्य है? "

158 और यूहन्ना ने कहा:

> *स्वर्ग मैं कोई भी मनुष्य योग्य ना मिला; पृथ्वी पर कोई मनुष्य योग्य ना मिला; कोई मनुष्य पृथ्वी के नीचे नही; जो कभी जीवित था मरा हुआ, योग्य मिला, कोई मनुष्य योग्य ना मिला।*

159 स्वर्गदूत की पुकार, छुडाने वाले निकट कुटम्बी के प्रगट होने के लिये पुकार थी। परमेश्वर ने कहा, "मेरे पास एक नियम है; एक छुडाने वाला निकट कुटम्बी, बदले में हो सकता—सकता है, वह छुडाने वाला निकट कुटम्बी कहां है? इसे लेने के योग्य कौन है? "

160 और यह आदम से आती है और बढते हुये प्रेरितों, और नबियों और हर चीज से होते हुये और कोई नही मिला। अब, इस विषय में क्या है? "स्वर्ग में कोई नही; पृथ्वी पर कोई नही; कभी कोई नही जो रहा हो।" एलिय्याह वहां खडा था, मूसा वहां खडा था। सारे चेले वहां पर खडे थे, या—या वे सारे जो मर चुके थे; वे सारे पवित्र लोग, अय्यूब, संत लोग। हर कोई वहां पर खडा हुआ था और कोई भी योग्य ना था, यहां तक की पुस्तक को देखे भी, कोई नही कि इसे ले कर और मोहरों को तोडे।

161 अब वह पोप कहां है और वे सारे जो यहां आये? आपका बिशप कहां है? हमारी योग्यता कहां है? हम कुछ भी नही है। यह ठीक बात है।

162 उसने पूछा, निकट कुटम्बी के लिये कि सामने आये, यदि वह सके, परन्तु यूहन्ना ने कहा, "कोई मनुष्य योग्य नही है।"

163 और वहां पर कोई भी लोगों में से योग्य ना निकला, अब जैसे स्वर्गदूत; जैसे कि उदाहरण के लिये, हम कहेंगे कि जिब्राएल या मिकायल। परन्तु

याद रखे इसे छुडाने वाला निकट कुटम्बी होना चाहिये। याद रखना, यहां यूहन्ना ने कहा, "और कोई मनुष्य (m–a–n) नही" ना ही स्वर्गदूत, ना साराप। उन्होंने पाप नही किया, परन्तु वे अलग वर्ग में थे। वे कभी भी नही गिरे थे।

164 परन्तु इसे छुडाने वाला निकट कुटम्बी होना चाहिये। "कोई मनुष्य नही," क्योंकि उनमे से कोई भी छुडाया हुआ नही था। "कोई भी मनुष्य योग्य नही था कि उस पर दृष्टी भी करे।" ओह, नही! बाप रे बाप! इसे मनुष्य निकट कुटम्बी चाहिये। और उसने इसी के लिये पूछा, और यह कही नही मिला था, वहां कोई नही था। बिशप नही, आर्च बिशप नही, पादरी नही, पदानुक्रम नही कोई नही, कही भी नही... इतनी भी पवित्रताई नही; कि यहां तक की पुस्तक पर दृष्टी डाले। व्हूई! बाप रे बाप! यह बहुत शक्तिशाली है, परन्तु यही जो बाईबल ने कहा। मैं उसी का उल्लेख कर रहा हूं, जो यूहन्ना ने कहा।

और बाईबल ने यह बताया कि यूहन्ना "रो पडा।"

165 ना कि जैसा कुछ लोगों को सिखाया गया। मैने एक व्यक्ति को यह सिखाते हुये सुना, एक बार, कहा, "यूहन्ना रोया क्योंकि उसने अपने आप को योग्य ना पाया।" ओह! कोई भी मनुष्य पवित्र आत्मा के प्रभाव में है इससे भिन्न पायेगा, देखिये; परमेश्वर कि प्रेरणा में इससे अलग ही जायेगा।

166 परन्तु यूहन्ना "रोया।" यहां जो मैं सोचता हूं, जिसके लिये रोया। क्योंकि यदि कोई भी योग्य नहीं है, और इस छुटकारे की पुस्तक को खोल सके, तो सारी सृष्टी नाश हो गयी थी।

167 *यहां* पुस्तक है, *यहां* वह अधिकार पत्र है और यह निकट छुडाने वाले कुटम्बी के सामने रखी जायेगी जो इसकी योग्यता पूरी करता हो। यह बल्की परमेश्वर का अपना नियम है। समझे? परमेश्वर की मांग निकट छुडाने वाला कुटम्बी है, जो योग्य था जो इसे करने के योग्य हो, जिसके पास करने के लिये कुछ ठोस हो।

168 और स्वर्गदूत ने कहा, "अब छुडाने वाला निकट कुटम्बी निकल कर सामने आये।"

169 और यूहन्ना ने देखा। और उसने सारी पृथ्वी पर देखा। उसने पृथ्वी के नीचे देखा। और वहां कोई नहीं था। वहां वह सृष्टी और हर चीज नष्ट हो गयी। नि:संदेह यूहन्ना रोया। सब कुछ नष्ट हो गया।

170 वह रोना पूरा भी नही कर पाया परन्तु मिनट में ही, यद्यपी वहां एक प्राचीन खडा हुआ और बोला, "यूहन्ना मत रो।" ओह, प्रभु! उसका रोना खत्म ही नही हुआ परन्तु मिनट में ही।

171 यूहन्ना ने सोचा, "ओह, प्रभु, वो मनुष्य कहाँ है? वहां नबी खडे है; वे भी वैसे जन्मे जैसे मैं जन्मा था। वहां संत खडे थे। वहां खडे थे... ओह! वहां, यहाँ पर कोई नही था? "

172 "मुझे एक मनुष्य चाहिये, जो इसे करने के योग्य हो, मै एक व्यक्ति चाहता हूं जो छुडा सकता हो।"

173 और उसे कोई नही मिला था। इसलिये यूहन्ना रो पडा था। ओह, हर चीज नष्ट हो गयी थी; और वह बुरी तरह से रोया। और वह—वह दुखी था क्योंकि हर चीज, सारी सृष्टी हर चीज चली गयी थी, यदि वे किसी को भी नही पा सके। परमेश्वर की महिमा हो! यदि वे किसी को सके, जो मांग को पूरा कर सके, वहां... हर मनुष्य जाति और सारा संसार और सृष्टी गयी। ओह, हर एक चीज गिर चुकी थी। वो—वो—वो छुटकारे के अधिकार अनन्त जीवन के—के अधिकार, ज्योति, ये सारे अधिकार खो दिये गये थे, और वहां कोई नही था कि इसका दाम चुका सके। और यूहन्ना ने रोना शुरु कर दिया क्योंकि कोई भी योग्य नही था, और कोई भी पुस्तक पर दृष्टी भी नही डाल पाया ओह यह मनुष्य ही होना है। यूहन्ना रो पडा, क्योंकि इसे कोई नही कर सकता था और हर चीज नष्ट हो गयी थी।

174 और वहां एक प्राचीन के पास से आवाज आयी, जो चार जानदारों के बीच खडा हुआ है, और स्वर्ग के सारी महान सेना ने कहा, "यूहन्ना मत रो।" ओह, प्रभु!

175 [भाई ब्रन्हम दो ताली बजाते है।—सम्पा।] परमेश्वर का अनुग्रह!

176 "यूहन्ना निराश ना हो, मत रो। क्योंकि यहुदा के गोत्र का सिंह, दाऊद का मूल और वंश से, वह जयवन्त हुआ है।"

177 *जय पाने* का अर्थ "संघर्ष के साथ और जीतना।" ओह, प्रभु! गतसमनी बाग़ में जब उसके चेहरे पर से लहू की बूंदे गिरी, वह जय पा रहा था। समझे? व्यूह! समझे?

178 "वह सिंह और दाऊद का मूल, जीत गया, जयवन्त हो गया।"

179 जैसे कि याकूब, चालक हाने के नाते, और जब वह स्वर्गदूत के संम्पर्क में आया, वह पकडे रहा। और स्वर्गदूत ने छुडाने का यत्न किया। उसने कहा, "मैं—मैं तुझे नही जाने दूंगा।" वह उसे पकडे रहा जब तक कि उसने वह नही पा लिया जो चाहता था। और उसका नाम बदल गया था, *चालाक* से जिसका अर्थ है "धोखेबाज।" किस में? "एक राजकुमार परमेश्वर के साथ," *इस्राएल*। वह जयवन्त हुआ।

180 और यहूदा के गोत्र का यह सिंह जयवन्त ठहरा। उसने कहा, "यूहन्ना मत रो, क्योंकि यहूदा के गोत्र का सिंह, दाऊद का मूल जयवन्त हुआ है, वह पहले ही जय पा चुका है। उसने यह कर दिया है। यूहन्ना यह हो चुका।" व्हूई! ओह, ओह! उसने विरंजक उत्पन्न किया है, जो वापस चिकने हाथों में वापस कर देता है, जो कि... अपनी बुध्दि से जिसने इसे दूषित किया, मनुष्य जाति को। जी हां।

181 परन्तु जब यूहन्ना देखने के लिये मुडा, उसने एक मेम्ना देखा। सिंह से कितना मिन्न है! उसने कहा, "सिंह जयवन्त हुआ है।" फिर देखिये, मै इसे वहां प्रयोग कर सकता हूं, परमेश्वर सादगी में छिप रहा है। उसने कहा, "वहां एक सिंह है।" यह पशुओं का राजा है। "सिंह जयवन्त हुआ है।" शक्तीशाली चीज वह एक सिंह है।

182 मैं वहां अफ्रीका के जंगल में लेटा हुआ था और जिराफ का बोलना सुना। और—और वो बड़ा, शक्तिशाली हाथी सुन्ड को हवा में लहराता है, "व्हिई, व्हिई, व्हिई।" और रेगिस्तान में जंगली का चिल्लाना, चीखना अपने खूनी ये खून का पानी कर देनी वाली चिल्लाहट और वह—वह भीगर जब तक... बिली पॉल और मैं वहां एक छोटी पुरानी जगह में लकडी की झाडीयों से ढके पडे थे। और कुछ दूर पर सुना, एक सिंह दहाडा, और रेगिस्तान में हर चीज शान्त हो गयी। यहां तक कि झीगरों का शोर बन्द हो गया। राजा बोलता है ओह, ओह, ओह, ओह, प्रभु!

183 मैं आपको बताता हूं, ये जब नामधारियों के संदेह भूमी पर गिर जाते हे, तो हर चीज शांत हो जाती है जब राजा बोलता है। और *यह* राजा है, यह उसका वचन है। ओह!

184 उसने कहा, "यूहन्ना चिन्ता ना कर। मत रो। निराश ना हो। यूहन्ना तू यहां मेरे दर्शन में है; मै तुझे कुछ दिखा रहा हूँ, और मै जानता हूँ कि तू थक कर टूट गया है, क्योंकि, तू जानता है, छुडाने के लिये कुछ नही है,

सब कुछ चला गया; वहां कोई नही है जो मांग को पूरा करे, परन्तु यहूदा के गोत्र का सिंह... ”

185 यहूदा को आप जानते है... हमारे पास यहां श्याम पट पर, आप जानते है। यहूदा के गोत्र का चिन्ह, एक सिंह था।

186 याद रखे, सिंह, और बैल और—और बैल और... और इस प्रकार से, मनुष्य का सिर और आदि। और वे साराप रक्षक, वह वचन; जब की वे सारे मरकुस, मत्ती, लूका और यहूदा, ये सारे प्रेरितों के काम पुस्तक के चारों ओर खड़े हुये।

187 और मैने एक मनुष्य को कहते सुना, एक महान सेवक ने कहा, “प्रेरितों के काम की पुस्तक बस फांसी के तख्ते के काम है।”

188 यह पहली दाखलता थी जो कि पवित्र कलीसियायी ने उपजाई। ओह, जी हाँ! हाँ, श्रीमान। और इसने फिर कभी दूसरी वाली उत्पन्न की तो, यह भी उसी प्रकार की होगी। हाँ श्रीमान! आपके पास कुछ सांटी हुयी दाखलताये है। और वे नींबू उगा रही है। इसे तो संतरा होना चाहिये, परन्तु... समझे? जब वह दाखलता—वह दाखलता अपनी डालियां फिर से कभी उत्पन्न करेगी, तो यह ठीक बिल्कुल मूल के समान होगी।

189 और मत्ती, मरकुस, लूका और यहून्ना ये सुसमाचार वहां खडे हुये रक्षा कर रहे है। एक मनुष्य की बुध्दी, सिंह की शक्ती; बैल का कार्य; और चीते की तेजी... या बल्की उकाब। हाँ, वहां सुसमाचार खड़े है! क्या? जी हां, याद रखे जब यह हमारे पास थे? [सभा “आमीन” कहती है।—सम्पा।] यह *सात कलीसियाई कालों* में है।

अब उसने कहा, “यहूदा के गोत्र का वह सिंह।”

190 क्यों यहूदा से? “ओह यहूदा, इसके आगे व्यवस्था देने वाला नही जायेगा, उसके घुटनों के बीच से जब तक शीलोह ना आये, परन्तु वह यहूदा से होकर आयेगा।”

191 “और सिंह, यहूदा के गोत्र का चिन्ह, जयवन्त हुआ है। वह विजयी हुआ है।”

192 और जब उसने चारों ओर देखा कि सिंह कहां था, उसने एक मेम्ना देखा। आश्चर्य, सिंह को ढूंढ रहा है और एक मेम्ना देखता है, प्राचीन उसे सिंह कहता है। परन्तु जब यहून्ना ने देखा, तो उसने एक मेम्ना देखा, “एक

मेम्ना जैसा की वह संसार के रचने से पहले घात किया गया।" एक मेम्ना घात किया गया। यह क्या था? वह मेम्ना क्या था? यह लहूलुहान, घायल। "एक मेम्ना जो कि घात किया गया, परन्तु फिर जीवित हो गया।" और वह लहूलुहान था, ओह, प्रभु!

कैसे आप उसकी ओर देख सकते हो, लोगो, और पापी बने रहे?

193 एक मेम्ना ऊपर आता है, प्राचीन ने कहा, "एक सिंह विजयी हुआ है यहूदा के गोत्र का सिंह।" और यूहन्ना सिंह को ढूढंता है, और वहां मेम्ना आता है, थरथराता। उस पर लहू है, घायल। वह जयवन्त हुआ है। आप बता सकते है कि वह युध्द में था। वह घात किया गया, परन्तु वह फिर से जीवित हो गया।

194 यूहन्ना ने इस मेम्ने पर पहले ध्यान नही दिया, आप जानते है, यहां। इसका उल्लेख पहले नही हुआ। इसका उल्लेख पहले कभी नही हुआ। यूहन्ना ने इसे सारे स्वर्ग में नही देखा, जैसा कि वह देख रहा था। परन्तु यहां वह आता है।

195 ध्यान दे, यह कहां से आता है। यह कहां से आ गया? यह पिता के सिंहासन से आता है, जहां यह बैठा हुआ था जब से वह मारा गया और फिर जी उठा, "वह जी उठा और परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठा है, सदा जीवित कि बिचवाई करे।" आमीन। वहां जीवित होकर, आज एक बिचवाई करने वाला अपने ही लहू से, लोगों की अज्ञानता की बिचवाई करता है। अब यही है, जिसमें मैं भरोसा करता हूं। वह अब भी विरंजक से ढंका हुआ है (ब्लीच), पापों की क्षमा का विरंजक या ब्लीच।

196 यूहन्ना मेम्ने को देखता है, और मेम्ना ऐसा दिखाई पडता है कि वह घात किया गया है। और फिर उसने ध्यान दिया कि वह घायल था, और काटा, और कुचला हुआ और लहुलुहान। एक लहूलुहान मेमना, यही जिसने हमारा स्थान लिया। क्या यह विचित्र नही, एक साधारण मेम्ने ने हमारा स्थान लिया? और उसने मेम्ना देखा। वह आगे आया।

197 यूहन्ना ने उसे नही देखा, क्योंकि वह वहां पीछे अनन्तता में था तब भी बिचवाई कर रहा था; और दर्शा रहा था कि वे जो परमेश्वर के पास आते है, बैलों और बकरों के बलिदान के लहू के नीचे बदले वाला बलिदान, वह भी... क्योंकि, वे जिन्होने इसका विश्वास किया उसकी ओर संकेत किया।

तब तक लहू नही बहाया गया था, इसलिये वह वहां उन्हे साफ करने के लिये था। वह वहां आपको और मुझे साफ करने के लिये था।

198 और, ओह, परमेश्वर, मैं आशा करता हूं कि आज रात्रि वह वहां पर है। हर पापी के लिये, मेम्ना मारा गया था। कैसे यहोवा किसी और चीज को देख सकता था, सिवाये उस लहुलुहान मेम्ने के जो वहां खडा हुआ है!

199 और मेम्ना अब दर्शन में आगे बढ कर आया, जैसा कि वह घात किया हुआ था। ध्यान दे, पिता के सिंहासन से निकल कर आया, ओह, सोचिये! वो, कहां से वह इस दर्शन में आगे बढा? वह महिमा से आया, परमेश्वर के दाहिने हाथ पर वह वहां बैठा था। वह आगे बढा यूहन्ना के पास, महिमा से निकला।

200 ओह, क्या यह महिमामय बात नही है, यदि हमारे पापमय विचार आज रात्रि, एक ओर लम्बे समय तक रखा जा सके कि उसे स्वीकार करे, और वह महिमा से निकल कर आगे बढे, आज रात्रि कि अपने आप को आप में से किसी पर प्रकट करें!

201 मेम्ना महिमा से बिचवाई के लिये आगे बढता है, ठीक है, ताकि दावा करे, अपने उस छुटकारे के लिये! स्मरण रखे, वो *यहाँ* पीछे अपने बिचवाई के कार्य में था। लेकिन याद रखे, यह मोहरे खुलने के लिये तैयार है, और मेम्ना परमेश्वर के पवित्र स्थान से निकल कर आगे बढता है।

202 प्रतिक्षा करे, जब तक हम वहां पहुंचे, वह एक घंटा, कि उस "आधे घन्टे" को ले कि यह शान्त है। पवित्र से धुंआ उठ रहा है। वहां अब और बिचवाई नही है। बलिदान हट चुका है। यह अब न्याय का आसन है। अब उस पर लहू नही है, क्योंकि लहू से ढका मेम्ना चला गया है। क्या आप उस समय तक विश्वास नही करेंगे। स्मरण रखे पुराने नियम में? जब तक लहू अनुग्रह के सिंहासन पर नहीं है, यह न्याय था; परन्तु जब तक लहू वहां पर था, वहां अनुग्रह था। [भाई ब्रन्हम पुलपिट पर पांच बार ठकठकाते है।—सम्पा।] परन्तु जब मेम्ना चला गया, यह हो गया!

203 वह क्या था? वह एक बिचवाई करने वाला बना रहा। कोई दूसरा व्यक्ति नही! मुझे बताये तो मरियम कहाँ बिचवाई कर सकती थी! मरियम क्या चढ़ा सकती थी? संत फ्रांसिस, संत असीसी या कोई भी और संत सिसिलिया, बल्की या कोई और दूसरा मनुष्य? यूहन्ना ने बिचवाई से कभी भी हज़ार संतो को बाहर आते नही देखा था। "उसने एक मेम्ना देखा, एक मेम्ना जो

घात किया गया, लहूलुहान।" मैं चिन्ता न ही करता कितने संत घात किये गये, वे सब इस कर्ज में थे, उन में से हर एक। जैसा कि चोर ने क्रुस पर कहा, "हमने पाप किया है, और हम पर यह बनता है, परन्तु इस मनुष्य ने कुछ नही किया।" वह ही केवल मनुष्य था जो योग्य था।

204 यह वह उस बिचवाई के कक्ष से आता है। वह अब किसलिये आ रहा है? उस पर ध्यान दे! ओह, ओह, ओह, प्रभु! [भाई ब्रन्हम तीन बार ताली बजाते है।—सम्पा।]

205 यूहन्ना रो रहा था? ये सब—सब कहाँ पर है? क्या होने जा रहा था?

206 कहा, "यूहन्ना मत रो," प्राचीन ने कहा। "यहां सिंह आता है, वही एक व्यक्ति जो जयवन्त हुआ था।" जब उसने देखा, तो यहां मेम्ना आता है, लहूलुहान, जो कि घात किया गया था।

207 कोई भी जो मारा जाता है, लहूलुहान है। आप जानते है, यह घात किया गया था। उसकी गर्दन काट दी जाती है, या, कुछ ऐसे ही। सारे में लहू ही लहू उस पर।

208 यहां मेम्ना आता है, जो घात किया गया था। और वह सामने आता है ओह, प्रभु (क्या?) अपने छुडाये हुओं का दावा करता है। आमीन। ओह! ओह! मैं... क्या आप ऐसा अनुभव नही करते कि कोने में जा कर और बैठ कर थोडी देर रोये? यहां एक मेम्ना आता है, अब भी लहूलुहान है। यूहन्ना... वहां पर कुछ नही था; सारे महान लोग चारों ओर खडे है, परन्तु उन में से कोई यह नही कर सकता था। इसलिये अब यहां पर एक मेम्ना आता है, उसके बिचवाई के दिन पूरे हो गये, मध्यस्थता के दिन।

209 यही जब यह स्वर्गदूत, वहां खडा होने जा रहा है। आप प्रतिक्षा करे जब तक हम मोहरों में पहुंचे। "और समय और ना रहेगा।" यह ठीक बात है। "वह आधा घडी का सन्नाटा।" ध्यान दे उस आधे घडी के सन्नाटे में क्या हुआ, जब वह सातवी मोहर, अगले रविवार रात्रि प्रभु ने चाहा तो।

210 अब वह अपना दावा करने (क्या?) सामने आता है। ओह, प्रभु! वो आगे आता है। उसके अपनों को दावा करने के लिए! अब, वो निकट कुटुम्बी का कार्य कर चुका था। वह नीचे आ गया था, वह मनुष्य बन गया था, मर गया। उसने छुडाने वाले कुटम्बी का कार्य कर दिया, परन्तु अभी तक अपने दावे के लिये नही बुलाया गया। अब वह अपने अधिकारों का दावा करने दृश्य पर आता है (ध्यान दे, क्या घटित होता है) ओह, प्रभु, वह किस

के लिये घात किया गया था, क्योंकि वह निकट कुटम्बी मनुष्य के लिये हो गया, कि उसके स्थान पर मर जाये कि उसे छुडा ले, परन्तु प्राचीन सही था, जब उसने कहा वह एक "सिंह" था, देखा। प्राचीन ने उसे पुकार कर कहा, एक "सिंह" क्योंकि वह एक मेम्ना था, एक बिचवाई करने वाला, एक लहूलुहान मेम्ना, परन्तु अब वह एक सिंह के समान आ रहा है, उसके मध्यस्थता करने के दिन बीत गये।

211 "अब वह जो मलीन है अब मलीन ही रहे, वह जो धर्मी है वो अब भी धर्मी है, वह जो पवित्र है वो अब भी पवित्र है।" वह चीजे बंद हो गयी। ओह, भाई! तब क्या? तब क्या?

212 अब स्मरण रखे यह सातवी कलीसियायी युग में आता है, जब परमेश्वर के भेद खुल जायेगें। अब ध्यान से सुने, यह कुछ है जो आपको लेना ही चाहिये। अब वह अपना मध्यस्थता का काम कर रहा है, विश्वासी के लिये दो हजार वर्षो से, वह वहां पीछे एक मेम्ना था। अब वह अनन्तता से बाहर आ रहा है। कि अधिकार पत्र की पुस्तक को ले ले ओर मोहरों को तोडे और भेदों को प्रकट कर दे, यह कब का है? अन्त समय का।

213 क्या आप समझे? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] ठीक है, तब हम आगे बढेंगे।

214 अब, मोहरे तोडता है और उन पर भेदों को खोल देता है, सातवे स्वर्ग दूत पर जिसका सन्देश परमेश्वर के सारे भेद खोलता है। परमेश्वर के भेद इन सात मोहरों में है। समझे? यही जो उसने यहां कहां है। सारे भेद इन सात मोहरों में है।

215 और अब मेम्ना सामने आता है, परमेश्वर और मनुष्य के बीच मध्यस्थता से होते हुये। वह सिंह बन गया। और जब वह सिंह बन गया। वह पुस्तक लेता है। यह उसका अधिकार है। परमेश्वर ने उस भेद को रख रखा था, परन्तु, अब मेम्ना आता है।

216 कोई भी पुस्तक नही ले सकता था। यह अब भी परमेश्वर के हाथों में थी। पोप नही; याजक नही, यह जो भी हो सकता है, वे पुस्तक को नही ले सकते थे। (नही) सात मोहरें प्रगट नही की गयी थी। समझे?

217 परन्तु जब बिचवाई, जब उसका काम पूरा हो गया, एक बिचवाई करने वाले के समान, वह सामने आता है। और यूहन्ना... प्राचीन ने कहा, "वह एक सिंह है।" और वह सामने आता है। अब ध्यान दे। ओह, प्रभु! समझे?

वह पुस्तक लेने के लिये आगे आता है, अब ध्यान दे कि परमेश्वर के भेदों को प्रकट करे, जिसका दूसरों ने इन सारे नामधारी युगों में अनुमान लगाया।

218 देखिये, तब सातवां दूत। यदि यह पुस्तक, भेद परमेश्वर का वचन है, सातवें दूत को भविष्यद्वक्ता होना ही है, क्योंकि परमेश्वर का वचन आना है। पादरी और पोप नही या कुछ भी यह पा सकता; वचन ऐसे के पास नही आ सकता। परमेश्वर का वचन केवल भविष्यद्वक्ता के पास आता है सदा। मलाकी चार ने ऐसी प्रतिज्ञा की है। और जब वह आता है, तो वह परमेश्वर के भेदों को लेगा, जहां की कलीसिया इस सब के लिये नैतिक संकोच में, यह सारे नामधारी, "और बालको का विश्वास वापस पूर्वजों की ओर।" और तब संसार का न्याय आयेगा, और पृथ्वी जला दी जायेगी। और तब धर्मी लोग सहस्त्रशताब्दी में दुष्टों की राख पर चलेगें।

219 क्या अब आप समझ गये? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] ठीक है।

220 नामधारी युग में दूसरों ने अनुमान लगाया। परन्तु, देखिये ये यही व्यक्ति होना चाहिये, सातवां दूत... प्रकाशितवाक्य 10:1–4 का... सातवे दूत को परमेश्वर के भेदों को दिया गया है, जो उसे दिये गये सारे छूटे हुये भेदों को समाप्त कर दिया, जो उन नामधारी युगों से होते हुये आये।

221 अब आप देख सकते है, कि क्यों मै अपने भाईयों पर जो नामधारी में है। प्रहार नही करता, यह नामधारी की व्यवस्था है! वे नही करते, वहां उनकी कोई आवश्कता नही कि यह जानने का यत्न करे, क्योंकि यह प्रकाशित नही किया जा सकेगा, यह वचन के अनुसार है। वे इसका अनुमान लगाते है, और विश्वास करते है कि यह वहां है और विश्वास के द्वारा इसके साथ चलते है, परन्तु अब यह प्रत्यक्ष रुप में सिध्द हो गया है। आमीन। ओह, प्रभु, क्या ही—क्या ही वचन है!

222 अब ध्यान दे। तब फिर यह वह है, वह मेम्ना, जो अपने राजा वाले पद को लेता है, जब उसके संत उसे ताज पहनाने को आते है, "प्रभुओ का प्रभु और राजाओं का राजा।" समझे?

223 देखिये, "समय समाप्त हो गया।" प्रकाशितवाक्य 10:6, "अब समय और नही रहा।"

224 ध्यान दे, वहां, "सात सींग है" इस मेम्ने पर। क्या आपने इस बात पर ध्यान दिया? "उसके सात सींग है।" हम अभी इस में होकर निकले

है। *सिंग* का अर्थ 'शक्ती' है, पशु के लिये। और ध्यान दे, वह पशु नही था, क्योंकि उसने उस से जो सिंहासन पर बैठा था, उसके दाहिने हाथ से पुस्तक ली। समझे? ध्यान दे। ओह, प्रभु!

225 मै विश्वास करता हूं, मैने इसे कही पर लिखा था; ओह मोहरों को तोडने के लिये, और उस अधिकार पत्र को खोलने के लिये, और अन्तिम दूत का सन्देश। और वह अपना राजा वाला स्थान लेता है। यही जो वह करने के लिये आगे आया है।

अब ध्यान दे, जब वह बाहर आता है, "वे सात सींग।"

226 अब जब उसने इस मेम्ने को देखा, यूहन्ना ने इसकी ओर देखा, वह घात किया हुआ था, लहूलुहान। और वह अनन्तता से आया, और वो मध्यस्थ में होने के लिए ठहर गया।

227 तो फिर मरियम से चाहे जितनी भी प्रार्थना करें! "स्वर्ग या पृथ्वी पर कोई भी मनुष्य या कोई व्यक्ति नही, कही भी कोई प्राणी नही, जो इसे ले सके।" यहां तक कि यूहन्ना इसके विषय में रो पडा, ओह, कैथोलिक मित्रों, क्या आप इसे नहीं देख सकते? किसी मृत व्यक्ति से प्रार्थना ना करे।

228 मेम्ना ही केवल एक बिचवाई करने वाला है। समझे? यह वही एक था जो आगे आया। और अब उसने क्या किया? वह यहां पीछे बिचवाई कर रहा था, जब तक कि उसका लहु हर व्यक्ति के लिये प्रायश्चित ना कर ले। और मेम्ना, अब जानता है कि पुस्तक में क्या लिखा है। इसलिये जगत की उत्पत्ती से पहले वह जानता था कि उनके नाम वहां है, इसलिये वह यहां पीछे खडा हुआ और—और... केवल बिचवाई के कार्य को किया इस प्रकार से जब तक... बिचवाई का कार्य, जब तक प्रत्येक जो इस पुस्तक में है छुडा लिया जाये और यह समाप्त हो गया। और अब वह बाहर चला जाता है। समझे? उसने निकट कुटम्बी का कार्य किया। वह सब है... आप जानते है निकट कुटम्बी का क्या कार्य था? प्राचीनों के सामने प्रमाणित करे। आपको याद है, बोआज ने अपना जूता फैका और आदि? अब उसने यह सब कर दिया।

229 अब वह अपनी दुल्हन को लेने आता है। आमीन। अब वह एक राजा के समान आता है। वह अपनी रानी को ढूंढ रहा है। आमीन। आमीन। इस पुस्तक में इसका सारा भेद है, सात मोहरों से ये लपेटा हुआ था। ओह, भाई! सात मोहरे, उसके आने की प्रतीक्षा कर रही है। ध्यान दे।

230 आईये इन प्रतीकों को ले। भाई, अभी यह नौ बजे है। हमारे पास आगे बढने के लिये तीन या उससे अधिक घंटे है। हमारे पास है... आईये जरा... शैतान मुझे बताता जा रहा है कि यह लोग थक गये है, इसलिये मै समझता हूं, वे हो गये। परन्तु, जैसा भी हो, हम—हम इसे ले ले।

231 "सात सींग" सात कलीसियायी काल थे, देखिये, सात कलीसियायी काल, क्योंकि यह मेम्ना की सुरक्षा थी। उसने जो अपना अधिकार पृथ्वी पर सुरक्षित रखा, वह परमेश्वर का भेजा हुआ झुण्ड जो सुरक्षित है; देखा, मेम्ने पर का सींग।

232 "सात आंखे" सात कलीसियायी काल के सात संदेशवाहक "सात आंखे," सात नबी।

233 क्या आप कुछ पवित्र लेखों को लिखना चाहेगें? आईये इसे निकाले आप क्या कहते है। आपके पास इतना समय है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] ठीक है। आईये, जर्कयाह की पुस्तक में चले, जर्कयाह की—की पुस्तक, बस थोडा सा, और इसमें से थोडा सा पढेगें।

234 मैं—मैं आपको इन चीजों पर अधिक देर तक रोके नही रखना चाहता हूं। और—और मैं... परन्तु फिर भी, मै नही चाहता कि आप इसमे चूक जाये, इस से अधिक विशेष क्या होगा? [सभा "आमीन" कहती है—सम्पा।] जी हां और क्या है... [कोई सभा में से कहता है, "भाई ब्रन्हम?"] क्या? ["आप इसे माप न करे।"] व्यक्ति के लिये अनन्त जीवन से और क्या अधिक आवश्यक होगा। और हमें चाहिये, हमें सब यह ले लेना चाहिये, और—और निश्चित हो जाये कि हमें यह मिल गया। ठीक है। ठीक है, श्रीमान।

235 और अब हम जर्कयाह का तीसरा अध्याय पढना चाहते है। मैं सोचता हूं, अब यह ठीक है, अब जर्कयाह 3। हम यहां से प्रतीक पाना जा रहे है, यदि मैने कोई पवित्र लेख यहां लिख रखा है इस दोपहर बाद मैं सारी जगह मैं चिल्लाता फिरा, जब मैं इस पर आया। इसलिये मैं—मैं नही जानता कि इस समय मेरे पास है या नही। मैं आशा करता हूं, मेरे पास है। जर्कयाह 3, आईये देखे यदि ये... मेरे पास यहां 89 है, परन्तु यह 8 से 9 होना चाहिये। ठीक है। मैं जानता हूं कि यह 89 नही हो सकता, जर्कयाह 3:8–9।

हे यहोशू महायाजक, तू सुन ले, और तेरे भाई बन्धु जो तेरे साम्हने खड़े हैं वे भी सुनें, क्योंकि वे मनुष्य शुभ शकुन है: सुनो, मैं अपने दास शाख को प्रगट करूँगा। (मसीह)

उस पत्थर को देख जिसे मैं ने यहोशू के आगे रखा है, उस (पत्थर) *एक ही पत्थर के ऊपर सात आंखें बनी हैं,* (सात आंखे) *सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है... देख मैं उस पत्थर पर खोद देता हूं, और इस देश के अधर्म को एक ही दिन में दूर कर दूंगा।*

236 अब आईये यह 4:10 निकाले, 4:10 सुनिये।

क्योंकि किसने छोटी बातों का दिन तुच्छ जाना जाता (परमेश्वर सादगी में है, देखा?) *साहुल को... जरुब्बाबेल के हाथ में देख कर आनन्दित होगा। उन सात; यह प्रभु की आंखे है जो सारी पृथ्वी पर फिरती है।*

237 "वे सात आंखे।" *आखों* का अर्थ "देखना।" *देखना* का अर्थ "भविष्यद्वक्ता, नबी।" इस मेम्ने के सात सींग है और हर एक सींग पर एक आंख है, "सात आंखे।" यह क्या है? मसीह और उसकी दुल्हन, सात कलीसियायी काल उन में होते हुये सात भविष्यद्वाक्ता जो निकले सात नबी, आंखे, इसलिये अन्त वाला नबी होना चाहिये। [जैसे ही भाई ब्रन्हम "नबी" बोलते है, वे दो बार पुलपिट पर टकटक करते है।—सम्पा।] ठीक है।

238 ध्यान दे, वह कोई पशु नही है, "उसने जो सिंहासन पर बैठा था उसके दाहिने हाथ से पुस्तक ली।" ये कौन था? स्वामी, मूल स्वामी, जिसके दाहिने हाथ में छुटकारे कि पुस्तक थी। और कोई स्वर्गदूत नही, ना स्वर्गीय प्राणी, कोई भी इस स्थान को नही ले सका। "और वो लहूलुहान मेमना बाहर आता है, और उसके हाथों से पुस्तक को ले लेता है।" व्हूई! यह क्या है? भाई वचन के अन्दर यह बहुत ही महान बात है। आमीन। वह काम जो ना कि स्वर्गदूत, कोई नही, इसे कर सका। "और मेम्ना आया और उसके दाहिने हाथ से ले लिया, जो सिंहासन पर बैठा था।"

239 यह क्या है? अब यह मेम्ने की हो गयी। आमीन। परमेश्वर की व्यवस्था ने मांग की, वही है जो इसे पकडे हुये है, परमेश्वर की व्यवस्था छुडाने वाले निकट कुटम्बी की मांग करती है। और मेम्ना बाहर निकल कर आता है, इसे पकडे हुये है। "मैं इसका निकट कुटुम्बी हूँ, मैं इसका छुड़ाने वाला हूँ, मै अब... मैने इसके लिये बिचवाई की है, और अब मैं आ गया हूं कि इनके

अधिकार का दावा इनके लिये करूँ।" आमीन। वहां केवल वह ही है। "मैं इनके अधिकार के दावे के लिये आया हूं, इसमें उनके पास अधिकार है हर चीज का जो कि गिरावट में खो गये थे, और मैने दाम चुका दिया है।"

240 ओह, भाई! व्हूई! क्या आपको अन्दर से धार्मिक अनुभूति महसूस नहीं होती? [सभा कहती है "आमीन।"—सम्पा।] "अच्छे कामों से नही जो हमने किये, परन्तु उसकी दया के द्वारा।"

241 ओह, एक मिनट रुकिये। और उन प्राचीनों आदि ने अपने ताज उतारने आरम्भ कर दिये, और ऊंचे पद वाले नीचे उतर गये, देखिये।

कोई नही, कोई इसे नही कर सका।

242 और वह सीधा परमेश्वर के दाहिने हाथ की ओर गया और उसके हाथ से पुस्तक ले ली और अपने अधिकारों का दावा किया। "मैं इनके लिये मरा हूं, मैं छुडानेवाला निकट कुटम्बी हूं, मैं हूं, मै बिचवाई करने वाला हूं, मेरा लहू बहाया गया था। मै मनुष्य बन गया था। और मैने यह कलीसिया को फिर से वापस लाने के लिये किया था, जिसको मैने संसार कि सृष्टी से पहले देखा था। मेरा यही उद्देश्य था, मैने यह बोला, यह वहां होगा और कोई इसे लेने के योग्य नही था, परन्तु मैं नीचे गया और मैने स्वयं ही यह कर दिया। मै इसका निकट कुटम्बी हूं, मै इसका रिश्तेदार हो गया।" और उसने पुस्तक ले ली। आमीन!

243 ओह, आज रात्रि वहां कौन मेरी प्रतिक्षा कर रहा है? वह कौन है, कलीसिया, जो वहां प्रतिक्षा कर रही है? कौन वहां आपकी प्रतीक्षा कर सकता है? वह छुडाने वाला निकट कुटम्बी! ओह, प्रभु! क्या ही भव्य वक्तव्य है, या व्यवहार!

244 अब छुडाने के लिये उसके पास अधिकार पत्र है। यह उसके पास उसके हाथ में है। याद रखे, सारे समय यह परमेश्वर के हाथ में था, पर अब यह मेम्ने के हाथ में है। अब ध्यान दे। सारी सृष्टी के छुटकारे का अधिकार पत्र, उसके हाथ में है, और अब वह मनुष्य जाति के लिये भी वापस दावा करने आया है। स्वर्गदूतों के लिये वापस दावा करने को नही; मनुष्य के लिये वापसी का दावा, जो कि फिर से परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां होने के लिये दिया गया था; वापस फिर अदन की वाटिका में लाने का, हर चीज जो उन्होने खोई; सारी सृष्टी, पेड, पशुओं का जीवन, हर चीज। ओह, प्रभु!

245 क्या इस से आपको अच्छा अनुभव नही होता है? व्हूई! [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] मैने सोचा था कि मैं थक गया, परन्तु अब नही। समझे? कभी मै सोचता हूं कि प्रचार करने के लिये बहुत बूढा हो गया हूं और फिर मुझे कुछ इस प्रकार का दिखाई पडता है, और मैं सोचता हूं कि मैं फिर से जवान हो गया हूँ। हाँ। हूँ–हूँह। हूँह! ये आप में कुछ करता है। समझे?

246 क्योंकि मैं जानता हूं कि वहां कोई है जो मेरी प्रतिक्षा कर रहा है, कोई है, जिसने दाम चुका दिया, जिसे मै ना चुका सका। यह ठीक बात है। यह उसने मेरे लिये किया, चार्ली। तुम्हारे लिये किया। उसने यह समस्त जाति के लिये किया और अब वह दावा करने के लिये सामने आता है कि छुडानेवाले अधिकारों को ले। किस के लिये दावा करे? अपने लिये नही; हमारे लिये। हमारे लिये वही है। वह हमारा कुटम्बी है। ओह, प्रभु! वो मेरा भाई है। वह मेरा बचाने वाला। वह मेरा परमेश्वर। वह मेरा छुडानेवाला निकट कुटम्बी है। वह सब कुछ है। उसके बिना मैं क्या था, मैं उसके बिना क्या हो सकता हूं? इसलिये, देखिये, वह मेरा सब कुछ है। और वह वहां हमारा कुटम्बी बन कर खडा है। और अब वह हमारे लिये बिचवाई कर रहा है, इस समय तक। और अब वह आया है, छुटकारे की पुस्तक को लेने, कि, अपने अधिकारों का दावा करने, उसका जो उसने हमारे लिये किया।

247 वे मर गये। यीशु ने कहा, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, यदि वे मर गये थे, तो भी जीयेगें, वह जो जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है, कभी ना मरेगा। वह जो मेरा मांस खाता और मेरा लहू पीता, उसके पास अनन्त जीवन है, और मैं उसे अन्तिम दिन जिला उठाऊंगा।"

248 कोई मतलब नही, वह पहली घडी दूसरी, तीसरी, चौथी, पांचवी, छठवी या सातवी, जहां भी सो जाता है। क्या घटित होगा? परमेश्वर की तुरही फूंकी जायेगी, आन्तिम तुरही फूंकी जायेगी, उसी समय अन्तिम दूत को उसका सन्देश दिया जायेगा और अन्तिम मोहर खुल गयी। अन्तिम तुरही फूंकी जायेगी और छुडानेवाला अपने छुडाये हुओं का अधिकार लेने आता है, उसकी कलीसिया, लहू से धुली हुयी।

249 अब, ओह, अब सारी सृष्टी उसके हाथों में है, जिस छुटकारे की सारी योजना, सात भेद भरी मोहरे जो इस पुस्तक में है, जो उसने ली वो बन्द

है। अब ध्यान दे, "और केवल वही अकेला प्रकट कर सकता है जिस पर भी वह चाहेगा।" यह उसके हाथों में है, देखिये। अब, उसने प्रतिज्ञा कि है, यह उस समय होगा, अब, क्योंकि यह सात भेदपूर्ण मोहरों से बन्द है, यह छुटकारे की पुस्तक। अब ध्यान दे। जैसे अब...

250 मित्रों, मैने आप को बताया, मैं साढे आठ बजे छोड दूंगा, मैने तीन चार पन्ने छोड दिये, कि यह लू। इसलिये मै चाहता हूं... मैं पहले ही नौ के बाद, ताकि आप कल वापस आ सको।

251 परन्तु अब इस सात तह वाली मोहरों की पुस्तक छुटकारे की, जिसे मेम्ने ने लिया, अपने में, केवल एक ही था, जो यह कर सकता था। और उसने यह उसके दाहिने हाथ से लिया जो सिंहासन पर बैठा था, अब, उसके छुडाये हुओं का दावा, कि अपने अधिकार का दावा करे। आपके और मेरे लिया दावा करे, जो कि उसने हमे छुडाया कि फिर से हर चीज को देखे, जो आदम ने अदन की वाटिका में खो दी थी। वह हमें छुडाकर वही वापस ले आया।

252 अब मेम्ने के साथ, पुस्तक के साथ जो उसके हाथों में है, हम उससे उसका अनुग्रह मांगने को तैयार है, और हम पर अनुग्रह करे कि सात–मोहर की पुस्तक हमारे लिये खोले, और बीते समय के पर्दे के पार देखे, थोडा सा। ओह, प्रभु! ध्यान दे, जब उसने पुस्तक ली, मोहर बन्द अधिकार पत्र को लिया, (इसे केवल अब अपने मष्तिस्क में रखें) भेद से भरी मोहर को तोडा, ताकि उन्हें प्रगट करें, कि उन्हे अपने उस पर लाये, देखिये, उसके सारे छुडाये हुये लोग।

253 अब जब हम मोहरों में इस पर आते है, तो हमें वहां वापस जाना है और उन प्राणों को जो वेदी के नीचे है देखना है, चिल्ला रहे है, "प्रभु और कितना समय, प्रभु और कितना समय? "

254 और यहां वह एक मध्यस्थ के समान, वेदी पर, "थोडी देर और, जब तक कि और तुम्हारे समान दुख उठाने वाले।"

255 परन्तु अब वह यहां से आता है, इस अन्तिम मोहर पर। वह अब और बिचवाई करने वाला नही; वह अब राजा है। और वह क्या करता है? यदि वह राजा है, तो उसके पास प्रजा होनी ही चाहिये। और उसकी प्रजा वे है, जो छुडाये गये है और वे तब तक उसके सामने नही आ सकते, जब तक वह छुटकारे के अधिकार नही ले लेता है। और अब वह बिचवाई से सामने

आता है; जहाँ मृत्यु हमें कब्र में डालती है, वह अधिकारों के साथ आता है। आमीन।

256 "और वे भी जो जीवित है, और उसके आने तक रुके रहेगें, उन से जो सोते है आगे ना बढेगे, क्योंकि परमेश्वर की तुरही फूंकी जायेगी, उस अन्तिम तुरही पर।" जब अन्तिम मोहर तोडी गयी और जब सातवां दूत अपना सन्देश दे रहा है, "अन्तिम तुरही फूंकी जायेगी और जो मसीह में मरे है, जी उठेगे। और हम जो जीवित है, और बचे रहेगे उनके साथ मिलकर उठा लिये जायेगे कि उससे हवा में मिले।" वो दावा करता है! वो अब अपने उसके—उसके अधिकार को दावा करने को आगे आता है।

257 ध्यान दे! इसे देखे! ओह! मोहरे तोड़ी, भेद प्रकट कर दिये। उन्हें प्रकट किया (कहाँ?) अन्तिम कलीसिया युग को, केवल वही जो जीवित है। बाकी सो रहे हैं।

258 उसने कहा, "यदि वह पहली घडी में आता है, दूसरी घडी में, तीसरी घडी और होते हुये सातवी घडी।" सातवी घडी, वहां एक—एक आज्ञा निकलती है, या एक पुकार, "देखो दूल्हा आता है!"

259 और जब उन्होंने किया, वह सोई हुई कुवांरी, नाम की कलीसियायें, बोली, "ओह, आप जानते है, मैं—मैं विश्वास करता हूं, मैं भी वह पवित्र आत्मा लेना चाहता हूं।" क्या आपने प्रेस्पीटेरियन और एपिस्कॉपलस पर ध्यान दिया? क्या आपने फिनिक्स में मेरा संदेश सुना, उनके लिये जो खडे हुये थे, आवाज में और वहां पर कहा जा रहा था... कि भाई इस लेखक के साथ क्या मामला है कह रहा है, "पवित्र पिता *अमूक–अमूक"*? जबकी बाइबल ने कहा, "इस प्रकार से किसी मनुष्य को 'पिता' ना कहना।" देखिये वे उनके साथ सो रहे है, यही कारण है, परन्तु जब वे सामने आये और कहा, "हां, हम विश्वास करते है।"

260 एक स्त्री ने दूसरी स्त्री को पुकार कर कहा, "मै एपिस्कोपेलियन हूं।" कहा, "उस दिन मैं—मैं—मैंने भाषाये बोली। उस दिन मैं विश्वास करती हूं मैने पवित्र आत्मा पा लिया है, परन्तु शूशश, किसी को बताना नही।" मुझे इसमे बहुत सन्देह है। आप भाषाओं में बोल सकते है। परन्तु, आप एक मनुष्य को उत्तेजित कर दे, तो वह कैसे शान्त होने जा रहा है? यह ठीक बात है। समझे? समझे? इसे नही कर सकता।

261 क्या आप कल्पना कर सकते है कि पतरस और याकूब और यूहन्ना और वे ऊपर की कोठरी में कह रहे थे, "ओह, अब हमे पवित्र आत्मा मिल गया है, परन्तु अच्छा हो कि हम शान्त रहे? " भाई, खिडकियों दरवाजों से होते हुये और हर चीज वे निकल कर सडक पर आ गये, पीये हुओं जैसा व्यवहार करने लगे थे, वास्तविक पवित्र आत्मा है।

262 परन्तु, आप देखिये सोई हुयी कुंवारी को कुछ भी नहीं मिल रहा है, जो भी है। ओह। यह ठीक बात है। और स्मरण रखे जब की वे तेल खरीदने के यत्न में जा रही थी, याद रखे, वचन यह नही कहता कि उन्हें मिला।

263 परन्तु जब खरीदने का यत्न करने के लिये बाहर थी, वहां एक पुकार हुयी। क्या हुआ? वे सारी कुवारीयां जो सोई हुयी थी जाग कर अपने चिराग दान सही करने लगी, "और भोज में भीतर चली गयी।" क्या यह ठीक बात है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।]

264 और बाकी पीडा के समय के लिये पीछे रह गयी, ठीक है, "रोना विलाप, और दातों का पीसना।" यह कलीसिया है, ना कि दुल्हन; कलीसिया।

265 दुल्हन भीतर चली गयी। कलीसिया और दुल्हन में कुल मिलाकर यही अन्तर है। जी हां, श्रीमान! हाँ। "विवाह के भोज में अन्दर चली गयी।" ओह, लडके, ध्यान दे! [भाई ब्रन्हम एक बार ताली बजाते है।—सम्पा।]

266 यह मोहरे तोड़ दी थी (क्यों?) अन्तिम कलीसिया युग में, जिससे कि सत्य को प्रकट कर दे। क्यों? मेम्ने ने मोहरे तोडी और अपनी कलीसिया पर प्रकाशित कर दी, ताकि अपनी प्रजा को अपने राज्य के लिए इक्कठा करे। उसकी दुल्हन, देखा! ओह! प्रभु! वह अब अपनी प्रजा को अपने पास लाना चाहता है।

267 यह क्या है? भूमी की मिट्टी में से, समुद्र की तलहटी से खड्डो में से हर चीज में से और हर स्थान से, अंधकार के क्षेत्रों में से—में से, स्वर्ग के बाहर, वे जहां कही भी हो सकते है। वह बुलायेगा और वे उत्तर देंगे। आमीन! आमीन! [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] वह बुलायेगा और वे उत्तर देंगे।

268 वह अपने लोगों को लेने के लिये आता है, उसने अपने भेद प्रकट कर दिये है और उन्होने इसे देख लिया है, "और समय और नही है।" उस समय "समय समाप्त हो गया।" यह समाप्त हो गया। ठीक है।

269 वह सिंहासन को छोडता है, एक मध्यस्थ होने को एक घात किये हुये मेम्ने के समान; सिंह होने के लिये राजा; कि संसार को न्याय पर लेकर आये, जिसने उसके सन्देश को अस्वीकार किया। वह एक बिचवाई करने वाला नही है।

270 अब पुराने नियम कि शिक्षा को याद करे जैसा कि हम जल्दी कर रहे है। जब लहू अनुग्रह के सिंहासन से हट गया, यह क्या था? न्याय का आसन।

271 और जब मेम्ना घात किया गया, अनन्तता से निकल कर आता है, पिता के सिंहासन से और अपने अधिकार को ले लिया यह एक न्याय आसन है। तब वह एक मेम्ना नहीं परन्तु एक सिंह राजा है, और वह अपनी रानी को पुकारता है कि आकर उसके बराबर में खडी हो।

272 "क्या तुम नही जानते कि संत पृथ्वी का न्याय करेगे? " दानिय्येल ने कहा, "न्याय का सिंहासन लगाया गया और पुस्तके खोली गयी थी; और हजारों हजार लोगों ने उसकी सेवा की।" राजा और रानी। "और दूसरी पुस्तक खोली गयी थी, जो कि जीवन की पुस्तक थी।" यह कलीसिया के लिये और रानी और राजा वहां खडे है।

273 चरवाहें के ध्यान साधना ने कहा:

गत रात्रि जैसे कि प्रेयरी पर लेटा था,
मैने आकाश के सितारों को ताका,
और मुझे आश्चर्य हुआ, यदि हर चरवाहा
उस मीठी अलविदाई कि ओर मुडे।

तो वहां एक मार्ग है, जोकि चमकदार प्रसन्नता का क्षेत्र,
परन्तु यह वहां धुधला है, एक पगड्डी, इसलिये वे कहते है
परन्तु चौडा वाला जो विनाश कि ओर ले जाता है
नियुक्त और धधका हुआ सब प्रकार से।

वे किसी और महान स्वामी की बात करते है।

274 वह अपने पशुओं के जीवन वाली भाषा के शब्दों में बोल रहा है। यदि आप कभी आपपास रहे हो, तो आप इसे स्पष्ट रुप में देख सकेगे।

वे दूसरे महान स्वामी के लिये बोलता है,
और उसका स्थान कभी भी नही भरता,
इसलिये वे कहते है वह सदा पापी के लिये स्थान
बनाता है
जो उस सीधे सकरे मार्ग कि ओर मुडता है।

वे कहते है, वह आपको कभी नही छोडेगा
और वह सारे व्यवहार को जानता और देखता है;
उस सुरक्षा के लिये, अच्छा हो कि हम चिन्हित हो जाये
क्या हमारा नाम उसकी महान लेखा पुस्तक में है।

क्योंकि वे कहते है कि वहां एक महान जमघट होगा
जब चरवाहे, कुत्तों के समान के समान खडे होगे
न्यायी घुड सवारों के द्वारा चिन्हित होने को (वे
भविष्यव्यक्ता और नबीयों)
जो नियुक्त किया हुआ और हर चिन्ह को जानता है।

275 यदि आप कभी भी उस जमघट में हुये, देखिये स्वामी वहां खडा होता है और वे घुडसवार और ठप्पा पशुओं के झुण्ड में। वह अपना ही चिन्ह जाने के लिये देखेगा, और वह स्वामी को संकेत करेगा। और स्वामी इसे देखेगा, और उसे हां कह देगा। उसका खच्चर अन्दर जायेगा, इधर और उधर, यह ठप्पा सींगो पर का चिन्ह इस प्रकार और अपनी गायो को अलग कर लेता है। समझे?

वे कहते है, वहां एक बडा जमघट होगा,
और चरवाहे कुत्तो के समान खडे होंगे,
न्याय के घुडसवारों के द्वारा वे चिन्हित किये जायेगे
ये नियुक्त किये हुये और हर चिन्ह को जानते है

276 इसलिये उसने कहा:

मेरा अनुमान है, मै एक भटका हुआ बालक मात्र
एक मनुष्य जो मरने के लिये दोषी, वह बिना चिन्ह का
(वे जिनका सूप बनाया जाता है, देखा)
जो कि झुण्ड में गवारुपन के साथ काट दिया जायेगा,
जब उन घुडसवारों का स्वामी आयेगा।

277 देखिये यह कौन है? घुडसवारों का स्वामी, जो कि मेम्ना है उन सात सन्देशवाहको का जो कि नियुक्त किया हुआ, और हर चिन्ह को जानता है। समझे? हुम!

278 ध्यान दे यहां वह आता है, बिचवाई करने वाले के समान, घात किये मेम्ने के समान सिंहासन को छोड देता है; कि एक सिंह हो जाये, राजा, कि समस्त संसार को न्याय में ले आये, जिसने अस्वीकार किया। हमारा छुडानेवाला निकट कुटम्बी, तब सब पर राजा है। क्यो? उसके पास अधिकार पत्र है, छुटकारे का यह सब उसके हाथों में है, मै आनन्दित हूं कि मै उसको जानता हूं। समझे?

279 तब अपने उत्तराधिकार का दावा करता है, यही कलीसिया है, वह दुल्हन। वह इसका दावा करता है।

280 तब वह क्या करता है? वह अपने प्रतिद्वन्दी को निपटा देता है, शैतान को। वह उसे आग की झील में फेंक देता है, उन सब के साथ जो शैतान के द्वारा प्रेरित किये गये कि उसके छुटकारे के वचन को अस्वीकार करे।

281 अब वह राजा है, अनुग्रह अब भी सिंहासन पर है। आप उसके निमन्त्रण को अस्वीकार ना करें। समझे? घुडसवार जानता है, कि आप कौन है।

282 और अब उसका प्रतिद्वन्दी जिसने उसे दो हजार वर्षो से परेशान कर रखा, दावा कर रहा था। "मैं जो चाहूँ उनके साथ कर सकता हूं, ये अब भी मेरे पास है, ये मेरे हैं। मैं... उन्होंने वहां पीछे अपना स्वामित्व खो दिया।"

283 परन्तु वह छुडानेवाला निकट कुटम्बी है। उसने कहा, अब वह यहां उनके बिचवाई के लिये वापस आ गया है। परन्तु किसी दिन...

वह कहता है, "मैं उन्हे कब्र में डाल दूंगा।"

284 परन्तु उसने कलीसिया को बता दिया, "मैं तुम्हे बाहर निकाल लूँगा।" समझे? "परन्तु पहले मुझे बिचवाई करने वाला बनना है।"

285 अब, वह सामने आता है पीछे अनन्तता से बाहर कदम निकालता है, पिता के सिंहासन में से, जहां वह बिचवाई करने वाले के समान बैठा था। अब वह राजा होने के लिये आता है, ओह, लोहे के राजदण्ड से सारे राष्ट्रों पर राज्य करने के लिये न्याय तय हो गया। ओह, भाई, हमारा छुडानेवाला निकट कुटम्बी सब पर अधिकार रखता है। यह ठीक बात है। जी हां, श्रीमान।

286 वह क्या करता है? वह अपने प्रतिद्वन्दी के हाथ को पुकारता है, शैतान। "अब ये मेरे है, मैने इन्हे कब्र में से जिलाया है।" वह सारे झुठो को लेता है और वचन के दूषित करने वालो को, और सब इस प्रकार से शैतान के साथ, और आग की झील में उनको नष्ट कर देता है, अब वह सब के ऊपर (दुल्हन) है, उन्हें आग की झील में फैक देता है। ओह, प्रभु!

287 आप जानते है क्या? मैं—मैं यहां कुछ कहना चाहता हूं, इसके पहले कि बन्द करें। और फिर हम—हम जल्दी करेंगे। ध्यान दे, अब हम यहां सातवे पद पर है, परन्तु 8 वे पद से 14 वे पद तक मै चाहता हूं, कि आप ध्यान दे कि क्या घटित होता है।

वे सब जो *स्वर्ग में* थे, *और* वे सब जो *पृथ्वी* पर थे...

288 जरा इसे सुने, मै अब जरा इसे पढ दूं। मैं विश्वास करता हूं कि यह अच्छा रहेगा यदि मैं इसे पुस्तक में से पढ दूं, सातवे पद से। और छठे पद पर ध्यान दे।

और मैं—और मैं देखो, तब मैने उस सिंहासन और चारो प्राणियों के बीच में, मानो एक वध किया हुआ मेम्ना खडा देखा, उसके सिर पर सात सिंग (मेरा अर्थ) *सात ऑखें है* (हमने इसे अभी स्पष्ट किया है) *ये परमेश्वर की सातों आत्मायें है, जो सारी पृथ्वी पर भेजी गयी हैं।*

289 देखिये, सात कलीसियायी युग, सात सन्देशवाहक जिन्होने वह आग जलाये रखी। समझे? ठीक है।

और उसने (वो मेमना) *आकर उसके दाहिने हाथ से जो सिंहासन पर बैठा था—सिंहासन पर बैठा था, वह पुस्तक ले ली।*

290 अब ध्यान दे। जब उसने यह कर दिया, देखिये क्या हुआ। आप जुबली के विषय में बात करते है! अब यह ठीक उन मोहरों का तोडना है, घटित होता है। हम इसमें जायेगे, "आधा घडी का सन्नाटा" ठीक इसके बाद इस पर ध्यान दे और हम इसे आरम्भ करेगें। हम इसे अगले रविवार रात्रि में समाप्त करेगें, ठीक यही। अब, जरा इसे ध्यान से सुने, क्या आप तैयार है? कहे, "आमीन।" [सभा "आमीन" कहती है] ध्यान से सुने, जब उसने यह किया, तो क्या घटित हुआ।

291 जब सारी सृष्टी कहर रही थी; कोई नही जानता था कि क्या करे, और यूहन्ना रो रहा था, "यहां मेमना निकल कर आता है!" और यह पुस्तक मूल स्वामी के—के हाथों में थी क्योंकि मनुष्य गिर गया और इसे खो दिया था। और कोई भी मनुष्य इसे लेने के योग्य नही था, कोई और भी, कि पृथ्वी को छुडाये; ना याजक, पोप कुछ भी नही जैसा कि मैने कहा। "परन्तु मेम्ना आया!" मरियम नही, संत नही *यह* या *वह* संत। "मेम्ना आता है लहूलुहान, घात हुआ और पुस्तक को उसके दाहिने हाथ से ले लिया, जो सिंहासन पर बैठा था।" और जब उन्होने देखा कि वहां एक छुडानेवाला था; और सारे प्राण जो वेदी के नीचे थे, जब स्वर्गदूत, जब प्राचीन लोग, जब हर चीज ने यह देखा जब यह किया गया, यह अब भी भविष्य में है, आज रात्रि वह एक बिचवाई करनेवाला है, परन्तु वह इस पर आ रहा है। ध्यान दे।

> *और जब उसने पुस्तक ले ली, तो वे चारों प्राणी और चौबिसों प्राचीन, इस मेम्ने के सामने गिर पडे, उन में से हर एक के हाथ में वीणा और धूप जो पवित्र लोगों कि प्रार्थनायें हैं से भरे हुये सोने के कटोरें थे।*

292 ये वे जो वेदी के नीचे, जिन्होने बहुत पहले प्रार्थनायें की, देखिये उन्होने छुटकारे के लिये प्रार्थनाये की, पुनरुत्थान के लिये प्रार्थना की। और यहां ये—ये प्राचीन लोग अपनी प्रार्थनायें सामने उण्डेल रहे है... क्योंकि अब हमारे पास प्रतिनिधी है हमारे पास स्वर्ग में एक निकट कुटम्बी है, जो कि दावा करने के लिये सामने आता है।

> *और वे नया गीत गाने लगे, तू इस पुस्तक के लेने और इसकी मोहरे खोलने के योग्य है; क्योंकि तू ने वध होकर अपने लहू से हर एक* (ध्यान दे) *कुल और भाषा और लोग और जाति में से परमेश्वर के लिये लोगों को मोल लिया है, अपने लहू के द्वारा;*
>
> *और उन्हे हमारे परमेश्वर के लिये एक राज्य और याजक बनाया; कि वे पृथ्वी पर राज करते है।*

293 वे वापस आना चाहते थे। और यहां ये वापस जा रहे हैं, राजा और याजक होने को।

294 परमेश्वर की महिमा हो! मुझे अन्य भाषाओं में बोलना बहुत अच्छा लगता है। देखिये। ध्यान दे। जी हां। यह ऐसा प्रतीत होता है कि मेरे पास

प्रयाप्त भाषा नही है; मैं इसके साथ उसकी प्रशंसा कर सकू। मुझे एक उसकी जरुरत है जिसको की मैं जानता भी नही।

295 ध्यान दे, "और मैने देखा... " इसे सुनिये।

और मैने देखा और बहुत से स्वर्ग दूतों का शब्द सुना...

296 सुनिये क्या ही जयन्ती हो रही है! जब उन्होंने देखा कि मेम्ने ने आ कर छुटकारे की पुस्तक को ले लिया, प्राण चिल्ला उठे, हम इसे लेगे। सब, हर चीज, प्राचीन लोग गिर पडे, उन्होने संतो की प्रार्थनाओं को उण्डेल दिया। क्या? वहां एक निकट कुटम्बी हमारे लिए प्रतिनिधी बना। वे अपने मुंह के बल गिर पडे। और उन्होने एक गीत गाया और कहा, "तू ही योग्य है, क्योंकि तू ही वध हुआ था!" ध्यान दे क्या... और इन स्वर्गदूतों को देखे!

और जब मैने देखा, तो उस सिंहासन और उन प्राणियों और उन प्राचीनों के चारों ओर बहुत से स्वर्गदूतों का शब्द सुना, जिन की गिनती लाखों... लाखो... और करोडो की थी; (ध्यान दे, व्युफ़!)

और वे ऊँचे शब्द से कहते थे, वध किया हुआ मेम्ना ही सामर्थ और धन और ज्ञान और शक्ती और आदर और महिमा और धन्यवाद के योग्य है।

297 स्वर्ग में क्या ही जयन्ती चल रही है, जब वह मेम्ना अगुवाई करता, और उस बिचवाई के कक्ष को छोडता है, और यहां अपने दावे का कब्जा लेने आता है!

298 आप जानते है यह यूहन्ना से आगे हुआ, उसने उसने अपना नाम वहां लिखा हुआ देखा होगा, जब वे मोहरे तोडी गयी उसे वास्तव में बहुत ही आनन्दित हो जाना चाहिये, सुनिये उसने क्या कहा।

फिर मैंने स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे और समुद्र की हर सिरजी हुयी वस्तुओं को और सब कुछ जो उन में है, यह कहते सुना, जो सिंहासन पर बैठा है उसका और मेम्ने का धन्यवाद... और आदर... और महिमा... और राज्य युगानुयुग रहे... (आमीन, आमीन और आमीन! ओह!)

और चारों प्राणियों ने आमीन कहा और चौबीसो प्राचीनों ने गिरकर दण्डवत किया, जो सदा सदा तक जीवित है।

299 जुबली के विषय में बात करते है, समय के विषय बात करते है, जब वो मेमना आगे आता है! देखो जो भेद है, पुस्तक स्वर्ग में मोहर बंद है।

300 कहते है, "क्या मेरा नाम वहां है? " मैं नही जानता। मैं आशा करता हूं ये है। परन्तु, यदि ये है, तो ये संसार की सृष्टी से पहले, वहां पर लिखा था।

301 परन्तु पहली बात, जिसने उस छुटकारे का प्रतिनिधित्व किया मेम्ना आता है जो कि सृष्टी के रचने से पहले घात किया गया। और उसने पुस्तक ली (महिमा हो!) पुस्तक को खोल दिया और मोहरों को तोड दिया और नीचे पृथ्वी पर भेज दिया अपने सातवे दूत के पास कि उसके लोगों पर प्रकट कर दे! [सभा बहुत आनन्द करती है।—समा] आप वहां है. ओह प्रभु! क्या हुआ? चीखे, चिल्लाना, हेलिलुय्याह, अभिषेक किया हुआ, शक्ती, महिमा, प्रकटीकरण! [सभा निरन्तर और आनन्द करती है।]

302 और बूढा यूहन्ना जो वहां खडा हुआ था, हमारा भाई चिल्ला रहा है! "क्यों," उसने कहा, "सब कुछ जो स्वर्ग में है, हर चीज जो पृथ्वी पर है, हर चीज जो समुद्र में है, मुझे चिल्लाते सुना, 'आमीन! आमीन! धन्यवाद, आदर और सामर्थ और शक्ती उसका है, जो सदा और सदा के लिये जीता है।'"

303 आनन्द के समय के विषय में बात करते है, जब वे मोहरे तोडी दी गयी! यूहन्ना ने अवश्य ही उसमें देखा होगा, और बीते समय के पर्दे के पार देखकर और कहा, "वहां यूहन्ना है।" ओह, ओह!

304 वह इतना प्रसन्न था, जब कि उसने कहा, "हर चीज जो स्वर्ग में है।" उसे वास्तव में चिल्लाना चाहिये क्या उसे नही? "हर चीज जो स्वर्ग में, हर चीज पृथ्वी में हर चीज पृथ्वी के नीचे, हर प्राणी, हर चीज ने मुझे कहते सुना, 'आमीन! धन्यवाद, और महिमा, और बुद्धि और सामर्थ और शक्ति और धन्यवाद उसका है।'" आमीन!

305 क्यों? जब प्रकाशन आता है कि मेम्ना, छुडानेवाला हमारा निकट कुटम्बी, बिचवाई के सिंहासन से वापस आ गया और यहां निकल बाहर आया कि अपना अधिकार ले। ओह!

जल्द ही मेम्ना अपनी दुल्हन को लेगा कि सदा उसके
बराबर में रहे,
स्वर्ग की सारी सेना जमा होगी;

ओह, यह महिमा युक्त दृश्य होगा, सारे संत बेदाग सफेदी में;
और, यीशु के साथ हम अनन्त राज्य करेगें
ओह, "आओ और खाओ" स्वामी बुलाता है।(वचन पर) "आओ और खाओ।"

306 ओह, मैं—मैं—मेरे पास शब्द नहीं है, देखिये।

"आओ और खाओ, आओ और खाओ"
आप यीशु कि मेज पर किसी भी समय भोजन कर सकते हो (अब! परन्तु जब वह छोडता है, तो फिर कोई आशा नही है)
वह जिसने भीड को खिलाया; पानी को दाखरस में बदल दिया।

307 वह जिसने कहा, "वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं, वह भी करेगा।" ओह, प्रभु! वो जिसने इन चीजो की प्रतिज्ञा की है। इन अन्त के दिनों में, वह जिसने यह बातें कहीं है, वह जो अब प्रकाशन के समय में है इन चीजों को प्रकट कर रहा है। "आओ और खाओ।" ओह, इसे छोडो मत, मेरे भाई।

अब आईये, हम अपने सिरों को झुकाये एक मिनट के लिये।

308 कल रात्रि, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, हम उस पहली मोहर को तोडने का प्रयत्न करते है, यदि परमेश्वर इसे हमारे लिये तोडेगा और हम देखे कि यह प्रकाशन क्या था, "पृथ्वी के रचने से पहले छिपा था।"

309 इसके पहले हम यह करे, पापी मित्र या गुनगुनी कलीसिया के सदस्य, क्या तुम्हारे पास बस एक कलीसिया कि सदस्यता है, या क्या तुम्हारे पास सदस्यता नहीं है? और यदि आपके पास केवल सदस्यता है, तो बहुत ही जल्द आप इससे रहित हो जायेगे। आपको एक जन्म की आवश्यकता है। आप को लहू के पास आना चाहिये। आपको किसी चीज के पास आना चाहिये, जो पाप के दागों को हटा दे, यहां तक कि उनका स्मरण भी ना रहे।

310 यदि आपने तैयारी नही की है, अभी भी, कि मेम्ने से हवा में मिले! और उस सामर्थ के द्वारा जिस प्राधिकार का अधिकार मुझे मिला है, जो सर्वसामर्थी परमेश्वर के द्वारा दिया गया है, और एक स्वर्गदूत द्वारा सेवकाई

के लिये मुझे मिला एक अग्नी स्तम्भ, मैं यीशु मसीह के नाम में, आपको आज्ञा देता हूं! उससे केवल कलीसिया की सराय की सदस्यता से मिलने का प्रयास ना करे जो इस पृथ्वी की है।

311 आईये, जब की बिचवाई करने वाला, जहां तक मैं जानता हूं अब भी सिंहासन पर है और बिचवाई कर रहा है, क्योंकि एक दिन आयेगा, जब आप आना चाहेगे, और वहां कोई बिचवाई करने वाला नही होगा। क्योंकि यदि हम देखते है कि वह घडी जिसमे हम जी रहे है, सातवी कलीसिया के युग में, और परमेश्वर के भेद वह जो हो गये, उस परमेश्वर के आत्मा से प्रमाणित हुये, इन अन्त के दिनों में हर चीज जिसकी प्रतिज्ञा हुयी दर्शा रहा है, तो फिर कितना समय बचा है? पापी मित्र आ जा।

312 प्रभु यीशु, घडियां समाप्ती की ओर बढती जा रही है। यह हो सकता है जो हम सोच रहे है उस से देर हो जाये। और इस आती हुयी घडी को देखने के लिये आनन्दित है। यह बहुत महिमामय घडी है जो कि संसार ने कभी जाना, एक विश्वासी के लिये। परन्तु अस्वीकार करने वाले के लिये, सबसे दुख भरा समय जो कभी हो सका हो, वर्णमाला में। इसके लिये शब्द नही मिल सकेगे, अक्षर कि शब्द बने जो कि पीडाओं और दुख को प्रकट कर सके जो आगे रखे है। और ना ही कोई शब्द जो बनाये जा सके, उन अक्षरों से कि आशीषों को प्रकट कर सके जो विश्वासी के लिये आगे रखे है।

313 पिता, हो सकता है आज रात्रि कुछ लोग यहां बिना आशा के है। और वे बुध्दीमान मनुष्य है। और अब यदि लहू अब भी अनुग्रह के आसन पर है, तो मेम्ना सिंहासन से उठ कर आज रात्रि उनके ह्रदय में आये और उन पर प्रकट करे दे कि वे नष्ट है। और लहू के हाथों के साथ कहे, "आ जाओ जबकी यह समय है, आने का।"

314 प्रभु मैं सन्देश को आपके हाथों में अपनी प्रार्थना के साथ समर्पित करता हूं। आप जो चाहे करे, पिता, यीशु के नाम में।

अपने झुके हुये सिरों के साथ।

315 यदि आप इस निवेदन और इस मांग के साथ सही नही बैठते! यदि आपने केवल अपनी कलसिया का ही विश्वास किया है! वहां कुछ नहीं था, जो छुड़ा सके। यदि आप किसी संत की बिचवाई में भरोसा करते है, तो आप अब भी नष्ट है, यदि आप अपने हाथों के कार्यो में विश्वास करते है, कुछ ऐसा जो अपने किये अच्छे कार्य नष्ट है, आप यदि आपने—

आपने अपनी मां की प्रार्थनाओं में विश्वास किया है या अपनी मां की धार्मिकता में, आपके पिता के; यदि आपने उन में भरोसा किया, आप नष्ट है। यदि आपने अपनी संवेदनाओं, कुछ विचित्र अनुभवों में कुछ उत्तेजनाओं भाषाओं के बोलने के साथ या नाचने! यदि इस सब में आपने भरोसा किया है, और मेम्ने को व्यक्तिगत रीति से नही जानते, उसे नही जानते तो फिर मैं आपको परमेश्वर के सामने आज्ञा देता हूं, चीजो को अब परमेश्वर के साथ सही कर ले।

316 अपने ह्रदय के अन्दर प्रार्थना करे। और बस सादगी में रहे, क्योंकि परमेश्वर साधारणता में छिपता है। आप याद रखे, कि बाइबल ने कहा, "जितनों ने विश्वास किया मिला लिये गये थे।"

317 जबकी हम आपके लिये प्रार्थना करते है, मैं विश्वास करता हूं कि आप (अपना) अनंत वाला निर्णय को लेंगे, "प्रभु मैं कहुंगा, 'हाँ!'" और एक *निर्णय* एक "चट्टान" है। परन्तु उस चट्टान का क्या लाभ बिना मिस्त्री के जो उसे काट सकता है कि भवन को आकार दे और भवन सही बैठे? तो फिर पवित्र आत्मा आपको कांटे–छाटे उससे जो आप है, उसमे जो आपको होना चाहिये। यदि आप बस एक घमण्डी कलीसियायी सदस्य है; यदि आप एक पापी है; आप जो भी है; यदि आप बिना मसीह के है, बिना पवित्र आत्मा के, परमेश्वर आपको आज रात्रि शान्ती प्रदान करें।

318 अब, प्रभु, जैसे सन्तुलित अवस्था जैसा की मैं जानता हूं कि कैसे आये और वचन के अनुसार जैसा—जैसा, मैं जानता हूं कि कैसे आये, मैं इनके साथ आता हूं जो आपको मैने समर्पित किये है, वचन के साथ। प्रभु मैं विश्वास कर रहा हूं, कि वचन ने लोगों के ह्रदय में आज रात्रि अपना स्थान पा लिया है।

319 अब यदि यहां कोई ऐसा हो जो नही जानता, या पवित्र आत्मा के मीठी उपस्थिति का विश्वास ना रखता हो जो उनके जीवन में हो; वह स्वभाव या उपेक्षा या स्वार्थीपन या कुछ जिसमे इस महान चीज उन से अलग कर दिया, और उन्हे इससे दूर रखा; या कोई मतसार या—या—या कोई संवेदना ने उन्हे परमेश्वर कि मिठास वाली संगति से अलग रखा; कि वह अब उससे छुटकारा मिल जायेगा!

320 और वह मेम्ना, जो लहूलुहान, पवित्र निकट कुटम्बी जो सिंहासन से निकल कर सामने आया, उस रहस्यवादी ज्योति से होते हुये, परमेश्वर

के सिंहासन के गलियारे से अपने उत्तराधिकार का दावा करने चल कर बाहर आया! परमेश्वर आज रात्रि प्रदान करे कि वे उसे स्वीकार करेगें। प्रत्येक निर्णय पवित्रता से किया जाये, और होने पाये वे अपना समर्पण केवल उसी को करे जो उन्हें कांट–छांट कर परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियों के रुप में ढाल दे।

321 अब, औपचारिक प्रार्थना में, मै इस प्रकार कर रहा हूं जिस प्रकार करने कि अगुवाई अनुभव कर रहा हूं, परमेश्वर के सामने पवित्रता में जैसा कि उसने स्वयं को आपके ऊपर प्रमाणित किया और आप एक मसीही नही थे और आप वह नही थे जो हम कहते है... ना की—ना कि एक—एक—एक नामधारी वाले सदस्य, परन्तु मेरा अर्थ नया जन्म पाया हुआ मसीही। परन्तु आप गंभीरता में विश्वास करते है, कि संदेश सच्चा है और आप गंभीरता में विश्वास करते है आप केवल परमेश्वर के अनुग्रह द्वारा ही बचे है। और आप विश्वास करते है कि वह अब आपके हृदय से बातें कर रहा है। और आप उसे स्वीकार करना चाहते है, और उसके वचन के लिये—के लिए तैयार है और उस से काटकर अलग करे जो आप है और आपको वह बनाये जो आपको होना चाहिये। क्या आप भी वही गवाही अपने पैरो पर खडे होने के द्वारा देगे? यदि वह व्यक्ति यहां है और आपको वह बनाना चाहता है... वह सर्व प्रयाप्त, अपने पांव पर खडे हो जाये।

322 स्वर्गीय पिता, मै अधिक नही जानता कि क्या करूँ सिवाये कि आपके वचन का उल्लेख करूँ। यहां लोग अपने पैरो पर खडे है, जो यह अनुभव करते है कि वे वहां नही थे, जहां उन्हे होना चाहिये, उस उठा लिये जाने के लिये तैयार, क्योंकि हो सकता है यह पहली मोहर हमारे लिये खोली जाये, उससे पहले हो जाये।

323 और, पिता, मैं उनके लिये प्रार्थना करता हूं। मैं—मैं आपके एक दास के समान, इस प्रार्थना को महान बिचवाई करने वाले मसीह को चढाता हूं, जैसे कि वे प्रार्थना करते है मैं अपनी प्रार्थना उनके साथ चढाता हूं। परमेश्वर के हाथी दांत के सिंहासन पर जहां वह लहूलुहान बलिदान आज रात्रि वहां उपस्थित है। और किसी भी विशेष समय वह सिंहासन से आगे बढ जाये सामने आ कर अपने अधिकार का दावा करे, फिर वहां और अनुग्रह ना रहे; यह न्याय है।

324 प्रभु, प्रदान करे कि यह लोग जो अपने पैरो पर है, जो कि खडे है; अपने हृदयों में प्रायश्चित कर रहे है और चाह रहे है कि परमेश्वर का आत्मा उन्हे ढाले, उन्हे छांटे और जीवते पत्थरों के आकार में ले आये प्रभु परमेश्वर के भवन में, पिता, इसे स्वीकार करे। अब मैं इन्हे आपको समर्पित करता हूं।

325 और आपने कहा, "वह जो मुझे मनुष्यों के सामने मान लेगा, उसे मैं अपने पिता के और पवित्र स्वर्गदूतों के सामने मान लूँगा।" और अब आप वहां बैठे हुये है आज रात्रि उन सब की उपस्थिति में। और वे खडे हुये आपको स्वीकार कर रहे है। और प्रभु, यदि यह इनके हृदय की गहराई से है, वैसे ही जैसे परमेश्वर का वचन निश्चित है सही है, अब आप उनके लिये बिचवाई का कार्य कर रहे है और उन्हे अनुग्रह और दया के क्षेत्र में जो बलिदान किये हुये मेम्ने का शुध्द करनेवाला लहू है। और ये आपके होंगे, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

326 अब आप देखते है कि यह लोग अपने पैरो पर खडे है, यह युवा पुरुष ठीक *यही*, और वे खडे है, आप जो अनुभव करते है कि सारे पाप और दोष समाप्त हो गये है। मै चाहता हूं कि आप जो उनके समीप है खडे हो जाये उन से हाथ मिलाये और कहे, "भाई मैं आपके लिये प्रार्थना करता रहुंगा, बहन मैं आपके लिये प्रार्थना कर रहा हूं।" बस उन से हाथ मिलाये और कहे, "परमेश्वर आपको आशीष दे।" और अब बाकी सर्वशक्तीमान के हाथ में है। कहे, "मैं प्रार्थना करुंगा और मैं वह सब करुंगा जो आपकी परमेश्वर के राज्य मे सहायता कर सकता हूं।"

ओह, आज बुला रहा है!
ओह, यीशु बुला रहा है!
वह आज प्रेम से बुला रहा है!

327 क्या आप उससे प्रेम करते है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] क्या यह अद्भुत नही है? ["आमीन।"] ओह, हम इसके बिना क्या करेंगे? "मनुष्य केवल रोटी से नही जीयेगा; परन्तु हर वचन जो परमेश्वर के मुख से निकलता है, मनुष्य जीवित रहेगा।" ओह, मुझे खिलाये प्रभु वचन पर।

328 "आपस में मिलना जुलना ना छोडे, जैसा कि अविश्वासीयों की रीति है, और जैसे तुम उस दिन को अधिकाधिक समीप आते देखो"।

329 परमेश्वर ने चाहा तो कल आने वाली रात्रि में परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, मैं मुझ में जो सब है उसके साथ उससे मध्यस्था मांगता हूं... इन

मोहरों के भेद की मध्यस्था करे, जैसे वे टूटती है परमेश्वर का वचन लोगों के लिये घोषित होगा।

जब तक मैं आप से ना मिलू, परमेश्वर आपके साथ हो!

330 और अब मैं सेवकाई को अपने कुलीन भाई, भाई नेविल को देता हूं, पास्टर। कितने भाई नेविल से प्रेम करते है? [सभा "आमीन" कहती है।—सम्पा।] अब हम सब करते है। भाई नेविल सामने आये। भाई नेविल, परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई।

सात कलीसिया कालों और सात मोहरों के बीच की दूरी HIN63-0317E

(The Breach Between The Seven Church Ages And The Seven Seals)

सात मोहरों की श्रृंखला का प्रकटीकरण

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार शाम, 17 मार्च, 1963 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया, जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2017 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org